रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी.. पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

पूजा में मिले ये 7 दिव्य संकेत... पेज 7

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

वर्ष 6, अंक 64 | भोपाल, सोमवार 15 सितंबर, 2025 | अश्विन कृष्ण पक्ष, नवमीं, 2082 | मूल्य 2 रुपए

सूर्यकुमार यादव का पाकिस्तान को कड़ा संदेश

'हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ हैं, यह जीत भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित'

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

कहते हैं, राजनीति और खेल को एक साथ मत मिलाइए। फिर भी, भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच में हमेशा से दोनों देशों के तनावपूर्ण रिश्तों की झलक मिलती रही है, और अक्सर द्विपक्षीय तनाव मैदान पर भी दिखाई देता है। रविवार को दुबई में एशिया कप मैच के दौरान, पहलगाम आतंकी हमले के बाद बिगड़े रिश्तों की छाया साफ़ दिखाई दे रही थी। भारतीय क्रिकेटरों को मुखर होने के लिए नहीं जाना जाता है, आमतौर पर वे सोशल मीडिया पर कभी-कभार ही पोस्ट करते हैं, हालाँकि संवेदनशील मुद्दों पर शायद ही कभी। हालाँकि, रविवार को सूर्यकुमार यादव और उनके साथियों ने महत्वपूर्ण फैसले लिए, जो तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल में प्रभावशाली संदेशों में तब्दील हो गए। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रविवार को एशिया कप में पाकिस्तान पर सात विकेट की शानदार जीत को देश के सशस्त्र बलों को समर्पित किया और कहा कि उनकी टीम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ है। सूर्यकुमार ने यह टिप्पणी टूर्नामेंट में अपनी टीम की लगातार दूसरी जीत के बाद की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ यह पहला क्रिकेट मैच था। सूर्यकुमार ने मैच के बाद प्रसारणकर्ता से कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन मौका है और हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं और अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। '' उन्होंने कहा, ''मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम आज की जीत अपने सभी सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं जिन्होंने अदम्य साहस दिखाया और आशा करते हैं कि वे हमें प्रेरित करते रहेंगे और जब भी हमें मौका मिले, हम उन्हें मैदान पर मुस्कुराने का और भी कारण देंगे।'' भारतीय टीम के खिलाड़ी मैच के बाद पाकिस्तानी समकक्षों से हाथ मिलाते नहीं दिखे जैसा कि आमतौर पर टीमें किसी मुकाबले के बाद करती हैं। टॉस के दौरान

दोनों कप्तान सूर्यकुमार और पाकिस्तान के सलमान आगा ने हाथ भी नहीं मिलाए। सूर्यकुमार यादव ने साथ ही कहा कि यह जीत उनके जन्मदिन पर देशवासियों के लिए 'रिटर्न गिफ्ट' है। भारतीय स्पिनरों में कुलदीप यादव ने तीन, अक्षर पटेल और वरूण चक्रवर्ती ने दो दो विकेट झटके। पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज इस तिकड़ी के सामने टिक नहीं सका और टीम नौ विकेट पर 127 रन ही बना सकी। जवाब में भारत ने 15 . 5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर जीत दिलाई और सीधे डगआउट में चले गए। अभिषेक शर्मा ने 12 गेंद में 31 रन बनाये और पाकिस्तान के सबसे बड़े गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जमकर धुनाई की। अपना 35वां जन्मदिन मना रहे सूर्यकुमार ने 37 गेंद में नाबाद 47 रन बनाये।

सूर्यकुमार ने कहा, यह जीत सुखद अहसास है और यह जीत मेरी तरफ से भारत को बेहतरीन 'रिटर्न गिफ्ट' है। मैं हमेशा कोशिश करता हूं कि अंत तक क्रीज पर बना रहूं और आज मैच समाप्त कर खुश हूं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ खेलना भी किसी अन्य प्रतिद्वंद्वी की तरह ही है। उन्होंने कहा, हम हर विपक्षी टीम के लिए एक ही तरह की रणनीति के साथ आते हैं। कुछ महीने पहले टीम ने भारत ने कई स्पिनरों के साथ चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी और वहीं से इसकी शुरूआत हुई। मैं स्पिनरों का मुरीद हूं। कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार दूसरे मैच में 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' चुना गया। उन्होंने कहा, ''मैंने कुछ अलग नहीं किया। बस रणनीति पर अमल करने पर मेरा ध्यान था। मैं बस बल्लेबाज के हिसाब से गेंदबाजी कर रहा था।

केंद्र सरकार कच्चे तेल और गैस के आयात को कम करने की तैयारी में, ग्रीन एनर्जी पर फोकस

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन चुका है, लेकिन देश अभी भी ऊर्जा की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि बीजेपी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार कच्चे तेल और गैस के आयात को कम करने के लिए कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि बीजेपी नेतृत्व वाली केंद्र सरकार कच्चे तेल और गैस के आयात को कम करने के लिए कदम उठा रही है। सरकार का फोकस अब फॉसिल फ्यूल (जीवाश्म ईंधन) की खोज और ग्रीन एनर्जी पर अधिक है। असम के नुमालीगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने यह बात कही। उन्होंने यहां 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन चुका है, लेकिन देश अभी भी ऊर्जा की जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है।

पीएम मोदी ने कहा कि इथेनॉल ऊर्जा का एक प्रमुख वैकल्पिक स्रोत है और नुमालीगढ़ में नवनिर्मित बायोइथेनॉल प्लांट से किसानों और आदिवासियों को काफी फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र (जिसकी आधारशिला भी मोदी ने रखी) से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बहुत लाभ होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऊर्जा और सेमीकंडक्टर 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को गति देने वाले दो प्रमुख कारक हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि असम की इन दोनों ही क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका है।

कंपनी की स्थापना 1998 में हुई थी और इसने कोका-कोला, सैमसंग और वोडाफोन जैसे बड़े ब्रांड्स के साथ काम किया है। कंपनी मार्च 2025 तक पूरी तरह कर्ज फ्री है। कंपनी ने अमेरिकी रक्षा निर्माता सीक्यूटी हथियार सिस्टम के साथ एक MoU पर हस्ताक्षर किए हैं। ब्राइटकॉम ग्रुप लिमिटेड के शेयर इन दिनों लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 2% तक टूट गए थे और 15.70 तक पहुंच गए। हालांकि, इससे पहले इसमें अपर सर्किट लगा था। बता दें कि फिलहाल यह शेयर अपने 52-सप्ताह के उच्च स्तर 21.65 से लगभग 27% नीचे है, लेकिन 52-सप्ताह के निचले स्तर 7.72 से 100% से अधिक का मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है। कंपनी ने हाल ही में अमेरिका की सीक्यूटी हथियार सिस्टम के साथ डिफेंस सेक्टर में रणनीतिक साझेदारी की है।

बता दें कि ब्राइटकॉम ग्रुप ने अमेरिकी रक्षा निर्माता सीक्यूटी हथियार सिस्टम के साथ एक MoU (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य एडवांस डफेंस समाधानों पर काम करना है। यह ब्राइटकॉम के हाल ही में शुरू किए गए रक्षा डिवीजन के लिए एक अहम कदम है, जो एआई-आधारित एयरोस्पेस और ऑटोनॉमस डिफेंस टेक्नोलॉजी पर केंद्रित है। इस सहयोग में ब्राइटकॉम की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञता को CQT की हार्डवेयर तकनीक (जैसे टैक्टिकल राइफल्स और विशेष कंपोनेंट्स)के साथ जोड़ा जाएगा।

इस साझेदारी का दायरा तीन प्रमुख क्षेत्रों को कवर करता है:

1. भारत समेत एशिया, मध्य-पूर्व और यूरोप जैसे वैश्विक बाज़ारों में संयुक्त व्यापार अवसरों की खोज।
2. CQT के हार्डवेयर को विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोर्सिंग और अनुकूलित करना, जिसमें स्थानीय उत्पादन और तकनीकी हस्तांतरण पर ज़ोर होगा।
3. यह पहल भारत के "आत्मनिर्भर भारत" अभियान के अनुरूप है, जिसका मकसद रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

बता दें कि यह साझेदारी ब्राइटकॉम के उस बड़े प्लान का पहला कदम है, जिसमें कंपनी रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र के लिए AI, सॉफ्टवेयर और एडवांस्ड हार्डवेयर का एक पूरा इकोसिस्टम तैयार करना चाहती है।

हैदराबाद में भारी बारिश के बीच यातायात ठप, सड़कें बन गईं नदियां

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी हैदराबाद

शहर के कई हिस्सों, खासकर सिकंदराबाद के मुख्य इलाकों में रविवार रात 100 मिमी से लेकर 124 मिमी तक भारी बारिश हुई। मुशीराबाद, मेट्टुगुडा, चिलकलगुडा, उस्मानिया विश्वविद्यालय, तरनाका, हब्सीगुडा, मौला अली और कपरा में भारी बारिश हुई। मुशीराबाद में, बौद्ध नगर में 12.4 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि एमसीएच कॉलोनी में 11.9 सेमी, उस्मानिया विश्वविद्यालय में 105.8 मिमी, कपरा में 103.3 मिमी और मरेंडपल्ली में 101.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। शेखपेट और जुबली हिल्स (99 मिमी), मुशीराबाद में आदिकमेट (96 मिमी), अंबेडकर नगर (अलवाल) (95.8 मिमी), कुथबुल्लापुर ईएसएस जीदीमेटला (95.5 मिमी), सीताफलमंडी और मरेंडपल्ली (91.5 मिमी), हिमायतनगर में विद्यानगर में टीएसआरटीसी कर्मचारी भवन (90.5 मिमी), अलवाल सामुदायिक हॉल (88.8 मिमी), और उप्पल जीएचएमसी जोनल कार्यालय (88.8 मिमी) में भी भारी बारिश दर्ज की गई। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, सिद्दीपेट के नारायणरावपेट में 14 सितंबर की सुबह 8:30 बजे से 15 सितंबर की सुबह 8:00 बजे के बीच सबसे ज़्यादा 245.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। रंगारेड्डी के अब्दुल्लापुरमेट-थटियानाराम में 128 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि हैदराबाद के मुशीराबाद इलाके में विभिन्न निगरानी बिंदुओं पर 114.5 मिमी से 124 मिमी बारिश दर्ज की गई। अचानक बादल फटने से मुख्य सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे यातायात पुलिस और नगर निगम की टीमों के प्रयासों के बावजूद यातायात धीमा रहा। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की महापौर विजयलक्ष्मी गडवाल ने कहा कि वह बंजारा हिल्स स्थित "कमांड कंट्रोल सेंटर में स्थिति की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रही हैं", जहाँ बारिश का पानी निकालने और वाहनों का मार्ग बदलने के लिए पंप और डायवर्जन टीमें तैनात की गई हैं।

झारखंड में एक करोड़ के इनामी समेत 3 बड़े माओवादी कमांडर ढेर

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी रांची

झारखंड के हजारीबाग जिले में सोमवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये का इनामी माओवादी नेता और दो अन्य वरिष्ठ माओवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोरहर थाना क्षेत्र के पंतित्री जंगल में सुबह करीब छह बजे प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सहदेव सोरेन के दस्ते और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया, ''तलाश अभियान के दौरान एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादी सहदेव सोरेन और दो अन्य माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।''

झारखंड पुलिस के अनुसार, विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर कोबरा बटालियन, गिरिडीह पुलिस और हजारीबाग पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। गिरिडीह-बोकारो सीमा के पास टाटीझरिया थाना क्षेत्र के करंडी गाँव में सुबह करीब 6 बजे मुठभेड़ शुरू हुई। मुठभेड़ में

दो अन्य माओवादी नेता - बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी का 25 लाख रुपये का इनामी सदस्य रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल और 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमेटी सदस्य बीरसेन गंझू उर्फ रामखेलावन - भी मारे गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने तीनों उग्रवादियों के शव बरामद कर लिए। अधिकारियों ने बताया कि जंगली इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

इससे पहले 14 सितंबर को झारखंड के पलामू जिले में रविवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक माओवादी मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि मृतक की पहचान मुखदेव यादव (40) उर्फ तूफान जी के रूप में हुई है, जो प्रतिबंधित माओवादी गुट तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) का स्वयंभू सब-जोनल कमांडर था। पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) माइकल राज एस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मनातू और तरहसी की सीमा पर स्थित वन क्षेत्र में आज सुबह मुठभेड़ शुरू हुई और बाद में वहां से एक नक्सली का शव, एक राइफल, एक पिस्तौल और 146 कारतूस बरामद किए गए।

अमेरिका में भारतीय होटल प्रबंधक की हत्या के बाद ट्रंप ने बाइडन की आव्रजन नीति की जमकर आलोचना की

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका के डलास में भारतीय मूल के एक होटल प्रबंधक की सिर कलम कर बेरहमी से हत्या किए जाने की घटना के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडन सरकार के कार्यकाल में बनायी आव्रजन नीति की कड़ी आलोचना की। सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर ट्रंप ने हमलावर को ''अवैध अप्रवासी'' बताया और कहा कि उसे देश से निकाल देना चाहिए था। ऐसा न किए जाने के लिए ट्रंप ने बाइडन की उदार नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''इन अवैध अप्रवासी अपराधियों के प्रति अब कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।'' टेक्सास प्रांत में 10 सितंबर को 'डाउनटाउन सुइट्स' होटल में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद 50 वर्षीय भारतीय

मूल के होटल प्रबंधक का उसकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर दिया गया था। आपराधिक इतिहास वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया था, जो होटल प्रबंधक का सहकर्मी है।

डलास पुलिस विभाग के अनुसार, मूल रूप से कर्नाटक निवासी चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया की हत्या उसके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज (37) ने की। दोनों के बीच खराब वॉशिंग मशीन को लेकर विवाद हुआ था। कोबोस कथित तौर पर उस समय आपा खो बैठा जब नागमल्लैया ने उससे सीधे बात करने के बजाय किसी अन्य व्यक्ति से उनके निर्देशों का अनुवाद करने को कहा। सीसीटीवी फुटेज में कोबोस को एक चाकू निकालते और नागमल्लैया पर हमला करते हुए देखा गया है।

अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने पुष्टि की कि कोबोस को पहले भी हिरासत में लिया गया था, लेकिन क्यूबा द्वारा उसके निर्वासन को स्वीकार करने से इनकार करने के बाद उसे जनवरी 2025 में रिहा कर दिया गया था।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

पांच सूत्री मांगों का लंबे समय से मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच निराकरण की कर रहे हैं मांग

मुख्यमंत्री को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच की मांगों का निराकरण करने लिखा पत्र

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के माध्यम से लंबे समय से पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन विभिन्न विभागों में देकर उसके निराकरण करने की मांग लगातार की जा रही है, लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है।ऐसी स्थिति को देखते हुए मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के जिला अध्यक्ष प्रमोद बर्डे के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के बैतूल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को ज्ञापन सौप कर तीन सूती मांगों का निराकरण करने की मांग की गई है। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच की मांगों को ध्यान में रखते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के माध्यम से 10 सितंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को उनके द्वारा पत्र लिखकर मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच की मांगों का निराकरण करने की मांग की है। मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के जिला अध्यक्ष एवं प्रांतीय सचिव प्रमोद बर्डे ने बताया कि मध्यप्रदेश के जनजाति कार्य विभाग में कार्यरत 10 वर्ष पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित का लाभ दिए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश की जनजाति कार्य विभाग में कार्यरत दैनिक मजदूर अंशकालीन कर्मचारियों को कलेक्टर दर पर वेतन दिए जाने तथा दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी का आदेश तत्काल प्रेषित किए जाने की मांग उनके माध्यम से की जाती रही है, साथ ही प्रदेश के जनजाति कार्य विभाग में कार्यरत दैनिक वेतन भोगी दैनिक मजदूर अंशकालीन कर्मचारियों को सेवानिवृत होने पर 10 लाख रुपए की ग्रेविटी प्रदान किए जाने तथा मृत्यु होने पर 10 लाख रुपए की सरकारी सहायता प्रदान की जाने की मांग रखी गई थी। श्री बर्डे ने बताया कि प्रदेश के जनजाति कार्य विभाग के अंतर्गत स्कूल छात्रावास आश्रम में कार्यरत दैनिक मजदूर अंशकालीन कर्मचारियों को तीन वर्ष पूर्ण होने पर सेवा से पृथक न किए जाने की मांग भी रखी गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के जनजाति कार्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत दैनिक वेतन भोगी दैनिक मजदूर अंशकालीन कर्मचारियों को अनुकंपा का लाभ एवं मेडिकल सुविधा का लाभ दिए जाने की मांग लंबे समय से की जाति रही है लेकिन विभाग के अलावा प्रशासनिक महक में ने उनकी मांगों को नजर अंदाज करने का काम किया है। लेकिन ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के माध्यम से 10 सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच शाखा बैतूल की मांगों के संबंध में बात कही है ऐसे में मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच शाखा बैतूल के पदाधिकारी को मांग पूरी होने की संभावना नजर आते दिखाई दे रही है।

नई दवाएं आईसीयू में बेअसर, पुरानी एंटीबायोटिक पर लौट रहे डॉक्टर

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

आईसीयू में मौजूद क्रिटिक मरीज से लेकर कई सामान्य मरीज सही इलाज के बावजूद ठीक नहीं हो रहे, क्योंकि दवाओं का असर घट रहा है। यह स्थिति एंटी माइक्रोबियल रजिस्टेंस (AMR) की वजह से है। जो पूरी दुनिया में चिकित्सा विज्ञान के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। यह कहना है एलएन मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. डीपी सिंह का। उन्होंने कहा कि नए डॉक्टरों में मरीजों के प्रति स्नेह और मानवीय व्यवहार की कमी दिखने लगी है। मरीज और उनके परिजन में भी धैर्य की कमी है। जिससे अस्पतालों में विवाद की घटनाएं बढ़ी हैं। दरअसल, भोपाल में 14 सितंबर को राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन का आयोजन किया गया। 'आधुनिक चिकित्साः चुनौतियां और समाधान' विषय पर चर्चा के लिए देशभर के 100 डॉक्टर, रिसर्चर और स्पेशलिस्ट शामिल हुए थे। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने इस बात पर भी चिंता जताई कि लोगों को विटामिंस और मिनरल्स दवाओं के तौर पर लेने पड़ रहे हैं। इससे एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार सिर्फ विटामिन, मिनरल और न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट्स का हो गया है। विशेषज्ञों ने डॉक्टरों की नई पीढ़ी की चुनौतियों पर भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि कई तरह के बैक्टीरिया को खत्म करने में असरदार मेरोपेनम, पेनिसिलिन, अमॉक्सीसिलिन जैसी दवाएं अब आईसीयू में भी बेअसर साबित हो रही है। जबकि कभी बेअसर साबित हो चुकी सेपटोन और क्लोरोफेनिकोल अब दोबारा असर दिखाने लगी है। जिससे उन्हें डॉक्टर लिखने लगे हैं।
डॉ. डीपी सिंह ने बताया- एंटीबायोटिक्स का प्रयोग बैक्टीरिया से होने वाले इन्फेक्शन के इलाज में होता है। यह बैक्टीरिया के स्ट्रक्चर और फंक्शन को टारगेट करती हैं। लेकिन शरीर में बार बार एंटीबायोटिक पहुंचने से शरीर में दवा के प्रति ही एंटी रजिस्टेंस पैदा हो जाता है। जिससे दवा का असर खत्म हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आम लोगों के साथ अस्पतालों में भी एंटीबायोटिक पॉलिसी का सख्ती से पालन हो।

सड़क दुर्घटना में मवेशी हो रहे घायल मुख्य मार्ग से भागने की कोई विकल्प व्यवस्था नहीं

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगर पालिका परिषद सारनी के स्वागत द्वार से लेकर सारनी के दमुआ मार्ग के बीच में आने को स्थान पर दो पहिया चार पहिया वाहन से मवेशी टकराकर गंभीर रूप से घायल हो रहे मुख्य सड़क से मवेशियों को भगाने के लिए नगर पालिका परिषद सारनी के स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से कोई भी विकल्प मास्टर प्लान ना होने के कारण मवेशियों के साथ सड़क दुर्घटनाओं की घटना में वृद्धि हो गई है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी के माध्यम से लगातार रात्रि ग्रस्त करके मवेशियों के सिगो पर रेडियम लगाने के अलावा उन्हें मुख्य सड़क से खदेड़ने का काम किया जा रहा है लेकिन क्षेत्र का दायरा बड़ा और सीमित संसाधन होने के कारण पद अधिकारियों को सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसी स्थिति में नगर पालिका परिषद सारनी के माध्यम से आउटसोर्सिंग से लगाए जाने वाले कर्मचारियों को तीन भागों में बटकर महावीर स्वामी वार्ड के बगडोना सारनी के जय स्तंभ चौक सहित सार्वजनिक वह स्थान जहां पर मवेशी आकर खड़े होते हैं उन्हें भागने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि सड़क दुर्घटना में मवेशियों की मौत और दुर्घटना ना हो सके।

कायस्थ संसद द्वारा तीस मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कायस्थ संसद क्लब भोपाल द्वारा मेधावी कायस्थ छात्रों के सम्मान समारोह का आयोजन रविवार, 14 सितम्बर 2025 को रोटरी सेवा भवन, 45 बंगले, बांणगंगा, भोपाल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे – मध्यप्रदेश शासन में अपर मुख्य सचिव, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनु श्रीवास्तव तथा मध्यप्रदेश शासन में महानिदेशक, होम गार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव। विशिष्ट अतिथियों में सेवानिवृत्त आईएएस मलय श्रीवास्तव, के.सी. श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार एवं 'मध्यप्रदेश गान' के रचयिता महेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ राजनीतिज्ञ ब्रजमोहन श्रीवास्तव, रीना कानूनगो, डॉ. राजेश कानूनगो, वीरेंद्र भटनागर तथा शैलेन्द्र शरण उपस्थित रहे।
इस अवसर पर कायस्थ संसद क्लब के संयोजक सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव ने स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया और कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, क्लब के संस्थापक सदस्य वीरेन्द्र भटनागर ने कायस्थ संसद क्लब की स्थापना, उसकी पृष्ठभूमि और उद्देश्यों की जानकारी उपस्थित जनों को दी।
समारोह में कक्षा 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने वाले कुल 30 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम का संयोजन एवं मंच संचालन नवनीत सिन्हा ने किया तथा आभार प्रदर्शन विक्रम सक्सेना द्वारा दिया गया।
कार्यक्रम में कायस्थ संसद क्लब के प्रमुख सदस्यों में के.के. सक्सेना, अवध खरे, संदीप शरण, संदीप श्रीवास्तव, विवेक भटनागर, जी.एम. जोहरी, राजेश नारायण, हरिओम भटनागर, बी.के. श्रीवास्तव एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के अभिभावक प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथियों एवं वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है और कायस्थ समाज की नई पीढ़ी को निरंतर प्रेरित करने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए अपने अनुभव एवं संस्मरण साझा किए और उन्हें जीवन व करियर में आगे बढ़ते हुए समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने की सीख दी। साथ ही उन्होंने ऐसे आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह नई पीढ़ी को दिशा और संबल प्रदान करते हैं। अंत में संयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया और यह संकल्प लिया कि कायस्थ संसद शिक्षा, संस्कार और एकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सक्रिय रहेगी।

सतना के कवि दिनेश गुप्ता मकरंद सीहोर में हुए सम्मानित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मध्य प्रदेश साहित्य साधना मंच के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सीहोर में हिंदी महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया l इस कार्यक्रम में पूरे भारत से लगभग 15 प्रांतों के कवि लेखक और साहित्यकार सम्मिलित हुए l मध्य प्रदेश के सतना जिले के युवा कवि और भजन लेखक दिनेश गुप्ता मकरंद भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और काव्य पाठ किया l दिनेश गुप्ता मकरंद के काव्य पाठ को काफी सराहा गया और उन्हें सम्मानित भी किया गया l हिंदी के महत्व को उद्घाटित करते हुए मकरंद ने पढ़ा कि " नारी की सारी सुंदरता फीकी रह जाती, अगर उसके माथे पर बिंदी ना होती l हमारे कान मीठी बोलियों को भी तरस जाते अगर मातृभाषा हिंदी ना होती l कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक श्री सुरेश जायसवाल जी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक व्यग्र जी एवं अन्य सम्माननीय अतिथिगण मुख्य रूप से उपस्थित रहे" l आपको बता दें कि दिनेश गुप्ता मकरंद की दो पुस्तके भी प्रकाशित हो चुकी हैं और कई साहित्यिक सम्मान से सम्मानित भी हो चुके हैं l

दो दिन में 150 खिलाड़ी 6 विभागों में खेले वन विद्यालय बैतूल में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित 270 प्रमाण पत्र बांटे

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल वन विद्यालय में 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, वॉक, इंडोर और आउटडोर खेलों के साथ विभिन्न जंप और फिटनेस खेल शामिल रहे। कुल मिलाकर लगभग 150 खिलाड़ियों ने भागीदारी की और 6 विभागों में 270 प्रमाण पत्र वितरित किए गए। दौड़ प्रतियोगिताएं 100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर, 1000 मीटर और 25 किलोमीटर की दूरी पर आयोजित हुईं। इन्हें तीन पुरुष, महिला और ओपन कैटेगरी में बांटा गया।

जीवित्पुत्रिका व्रत के शुभ अवसर पर शीतल दास के बगिया कमल पार्क घाट पर हजारों की संख्या में पहुंची भोजपुरी समाज की महिलाएं

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोजपुरी एकता मंच के तत्वाधान में समिति के तत्वाधान में शीतल दास की बगिया कमला पार्क जीवित्पुत्रिका निर्जला व्रत आयोजन किया गया संस्था के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि सुबह से ही भोजपुरी समाज के व्रतधारी महिलाओं का आना शुरू हो गया था शीतल दास के बगिया कमला पार्क बड़े तालाब पहुंचकर स्नान करने के उपरांत समाज की सभी महिलाएं सामूहिक रूप से जिमूतवाहन का कुश की आकृति बनाकर बरियार का पेड़ के बेदी बनाकर कलश स्थापित कर अक्षत धूप दीप से पूजा अर्चना करेंगी उसके उपरांत जिमूतवाहन कथा का सरवन करी और अपनी संतान की दीर्घायु एवं सुख समृद्धि के लिए कामना की। भोजपुरी एकता मंच समिति के तरफ से जीवित्पुत्रिका व्रत कथा की बुकों का निशुल्क वितरण किया गया सभी भारतीयों पर पुष्प वर्षा की गई एक महिला दूसरे महिला को नाक से लेकर मांग सिंदूर किया हजारों की संख्या में व्रतधारी महिलाएं उपस्थित रही। 15 सितंबर नवमी तिथि को मडवा की रोटी एवं कद्दू की पत्तों का सांग खाकर पारण होगा इस अवसर पर मुख्य रुपए उपस्थित रहे कुंवर प्रसाद शिव वचन प्रजापति रीमा देवी विमल सिंह विजय सोनी अनीता चौहान अरुण सिंह सोनिया चौहान श्रीमती रूबी देवी मोहन जायसवाल राज शर्मा इत्यादि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित है।

विविध कला विकास समिति रामलीला पिपलानी रंगमंच के निर्माणाधीन भवन का उद्घाटन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

विविध कला विकास समिति रामलीला पिपलानी रंगमंच के निर्माणाधीन भवन का उद्घाटन भेल भोपाल के महाप्रबंधक रुपेश तैलंग द्वारा किया गया! रामलीला प्रवक्ता अतुल मालवीय एवं महासचिव आर, एस अरोरा ने जानकारी देते हुए बताया कि विविध कला विकास समिति विगत 65 वर्षों से रामलीला के मंचन का सफल आयोजन कर रही हैं! नवनिर्मित भवन में रामलीला कलाकारों की साज-सज्जा के लिए आधुनिक मेकअप आर्टिस्टों को आमंत्रित किया गया है! इस अवसर पर शिव प्रसाद साहू, आर,एन तिवारी,जी.आर लिखितकर,एपी सिंह,के.सी शर्मा, विश्वनाथ दशोरे,किशन चुरेंद्र,नरेश सोनकर,विकास तिवारी, राजकुमार सूर्यवंशी,दिनेश करण,आशीष पवार उपस्थित थे!

एच.ई. सांस्कृतिक समाज बरखेड़ा की रविवार को प्रातः 10.00 बजे बैठक आयोजित की गई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

एच.ई. सांस्कृतिक समाज बरखेड़ा की रविवार को प्रातः 10.00 बजे बैठक आयोजित की गई। इस वृहद बैठक में इस वर्ष पुनः वर्षो पुरानी परम्परा के अनुसार रामलीला का मंचन माँ दुर्गा की स्थापना एवं दशहरा महोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय हुआ। बैठक में उपस्थित एच.ई. सांस्कृतिक समाज से जुड़े हुए सभी पूर्व पदाधिकारी रामलीला का मंचन करने वाले प्रमुखजन एवं समाजसेवी उपस्थित हुए इन सभी की उपस्थिति में एवं सहमति से एच.ई. सांस्कृतिक समाज बरखेड़ा की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया तथा बैठक में उपस्थित वर्षों से एच.ई. सांस्कृतिक समाज बरखेड़ा से जुड़े प्रमुख जनो के द्वारा इस कार्यकारिणी को वास्तविक कार्यकारिणी घोषित किया गया एवं इस बात को स्पष्ट रूप से बैठक में रखा गया कि यही वास्तविक एच.ई. सांस्कृतिक समाज बरखेड़ा की सर्वमान्य कार्यकारिणी है। एच.ई. सांस्कृतिक समाज बरखेड़ा में किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं है और कोई अन्य नवीन कार्यकारिणी नहीं बनाई गई है। वर्षों से जो सदस्यगण सांस्कृतिक कार्यक्रम करते रहे है वहीं करते रहेंगे। बैठक में आगामी कार्यक्रमो की रूपरेखा तैयार की गई एवं उनका क्रियान्वयन किया जाना सुनिश्चत किया गया।

ट्रिपल आईटी में स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के लिए आंतरिक हैकाथॉन 19 को

आंतरिक हैकाथॉन के माध्यम से चयनित टीमें राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में हिस्सा लेंगी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी स्थित ट्रिपल आईटी अगला स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 में भागीदारी के लिए आंतरिक हैकाथॉन का आयोजन 19 सितंबर को करने जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की नवाचार क्षमता को प्रोत्साहित करना और उन्हें वास्तविक जीवन की समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए मंच प्रदान करना है।

इस आयोजन का नेतृत्व ट्रिपल आईटी भोपाल की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रेखा कौशिक और डॉ. आफरीन खुर्शीद करेंगी, जबकि डॉ. सौरभ जैन, सिंगल पॉइंट ऑफ़ कॉन्टैक्ट (स्पोक), समन्वय की जिम्मेदारी संभालेंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिता छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और देश की तरक्की में योगदान देने का एक बेहतरीन अवसर है।

चयनित टीमें राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेंगी: आंतरिक हैकाथॉन के माध्यम से चयनित टीमें संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन में हिस्सा लेंगी। इस आयोजन से छात्रों को टीम वर्क, समस्या-समाधान और प्रोटोटाइप विकास का मूल्यवान अनुभव प्राप्त होगा। ट्रिपल आईटी के जनसंपर्क अधिकारी डॉ अजय श्रीवास्तव ने बताया कि बीते दो वर्षों से ट्रिपल आईटी की टीमें विजेता हो रही हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में भी ट्रिपल आईटी भोपाल की दो टीम अपनी मेंटर डॉ. रेखा कौशिक के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रही थी, जिसने संस्थान को गौरवान्वित किया था।

व्यावहारिक से अधिक व्यापारिक संबंध वैश्विक स्तर पर हिंदी को मजबूत बनाते हैं -डॉ.राकेश पांडेय

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

'हिंदी राजभाषा तो बन गई किंतु राष्ट्रभाषा आज तक नहीं बन पाई , व्यवहारिक से अधिक व्यापारिक संबंध भाषा को मजबूत बनाते हैं,भारतीय फिल्मों से विश्व में हिंदी का फैलाव हुआ है परंतु इसमें गहराव विद्यालयों विश्वविद्यालयों में अध्ययन से ही संभव है,यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.राकेश पांडेय संपादक ' प्रवासी संसार ' नई दिल्ली के जो दक्ष स्किल इंडिया सेंटर लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा 'निज भाषा उन्नति अहै 'शीर्षक के अंतर्गत आयोजित राजभाषा पखबाड़े के गूगल मीट पर आयोजित उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में बोल रहे थे , | इस आयोजन में सर्वप्रथम केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला, | इस कार्यक्रम में बोलते हुए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.पूर्णिमा बर्मन शारजाह (यूएई) ने कहा कि हिंदी में मनोरंजन मीडिया पत्रकारिता, अनुवाद और संग्रहालय आदि में रोजगार की विपुल संभावनाएं हैं | कार्यक्रम में अतिथि वक्ता प्रमोद भार्गव (ग्वालियर) वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि हिंदी के विकास मार्ग में असल अवरुद्ध हिंदी भाषी वे समृद्ध लोग हैं जो आर्थिक रूप से सम्पन्न होते ही अंग्रेजी के घोर समर्थक हो जाते हैं हमारे देश की शिक्षा ,संस्कृति और भाषा को इन लोगों ने बड़ी क्षति पहुंचाई है| इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ.ममता माली(मुंबई) और चित्रा राघव राणा (कनाडा) ने कार्यक्रम का सफल और सुरुचिपूर्ण संचालन किया | कार्यक्रम में देश विदेश के अनेक हिंदी प्रेमी विद्वान उपस्थित थे, अंत में केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने सभी का आभार प्रकट किया, |

नेपाल में जनता का संघर्ष बार-बार

नेपाल बार-बार दिखाता है कि सत्ता और जनता का रिश्ता संविधान से नहीं, सड़कों पर गिरते लहू, आंसुओं और टूटती आवाज़ों से मापा जाता है। तराई से पहाड़ तक पथराव हुआ, गोलियां चलीं और लाठियां टूटीं। यह विरोध केवल आज का नहीं है; यह उन असंतोषों की कड़ी है, जो कभी मधेश आंदोलन, कभी जातीय असमानता और राजनीतिक वादाख़िलाफ़ी के रूप में उभरते रहे। नेपाल की जनता ने अपनी सरकार को आईना दिखाया है। पूछा है क्या ऐसे ही दिन का वादा था? वहां की सत्ता ने क्या जुल्म के सितम का पहाड़ खड़ा कर दिया था। सर्वसत्ता की लालसा के लिए नेपाल के नेताओं ने अपनी ही जनता को महत्वहीन मान लेने की गलती की। खुद के भ्रष्टाचार व अपराध दबाने-छुपाने के चक्कर में तकनीकी युग में पले-बड़े युवाओं को इंटरनेट से ही वंचित करने की मुहिम चलाई। युवाओं का विरोध प्रदर्शन जब नेताओं की कार्यगुजारी पर चल रहा था तो सरकार ने पुलिस से आंसू-गैस व गोली चलवा दी। उन्नीस युवा मारे गए। और दो-सौ से ज्यादा घायल हुए। इससे गुस्साए युवा अगले दिन इतनी संख्या में जुटे कि नेता व सेना दोनों स्तब्ध रह गए। फिर जो हुआ वो हम सभी ने देखा। लेकिन जो हुआ, क्या वह लाज़िम था? सरकार में जो नेता कभी सत्ता के शिखर पर थे उनको ही नेपाल की जनता से जान बचाते-छुपते-भागते सभी ने देखा। सरकार ने जैसी हिंसा का उपयोग विरोध करते युवाओं पर किया, नेपाल की जनता ने अपने विरोध को वैसी ही अराजक हिंसा में बदल दिया। जनता ने खुद के द्वारा चुने अपने नुमाइंदों को सरेआम लज्जित किया, निर्वस्त्र कर दौड़ाया और मार-पिटाई की। तकनीक पर बड़ी-पली युवा पीढ़ी के हिंसक विरोध ने अपने ही सत्तातंत्र को तार-तार कर धुएं में उड़ा दिया। फिर आगजनी का जो मंजर देखा उसने नेपाल के सत्तातंत्र के होश उड़ा दिए। युवाओं की अनियंत्रित भीड़ ने संसद से लेकर नेताओं के घर तक फूंक दिए। सरकारी भवन व लोक व्यवस्था को तहस-नहस किया। राष्ट्रीय जेल में घुस कर, अपनी ही न्यायपालिका द्वारा करार अपराधियों को रिहा किया जिससे नेपाल की राष्ट्रीय न्याय व्यवस्था ही शर्मसार हुई। नेपाल की राजनीति में विभिन्न दलों के कुछ ही नेता कुर्सियां बदल बदल कर जनता को भरमाते रहे हैं। नेपाल में राजवाद, साम्यवाद व समाजवाद के बीच सत्ता का संघर्ष चलता रहा है। वहां गृह युद्ध भी हुए। खुद के लिए सत्ता के संघर्ष के कारण कुछ ही नेता अदल-बदल कर सत्ता पर बने रहे हैं। तकनीक की जेन-जेड पीढ़ी के ताजा संघर्ष के केंद्र में भी चौथी बार प्रधानमंत्री बने केपी शर्मा ओली ही रहे हैं।

क्या एआई वीडियों से राजनीति होगी

कांग्रेस पार्टी को कोशिश यह करनी चाहिए कि बिहार के दरभंगा में कांग्रेस और राजद के महागठबंधन के मंच से प्रधानमंत्री को जो गाली दी गई थी वह मामला किसी तरह से ठंडा पड़ जाए। हालांकि यह आसान नहीं है क्योंकि खुद प्रधानमंत्री मोदी इसे मुद्दा बना रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी ने तो खैर मुद्दा बनाया ही है। फिर भी कांग्रेस को कोशिश करनी चाहिए लेकिन वह उलटा कर रही है। वह ऐसे काम कर रही है, जिससे इसकी याद ताजा बनी रहे। लोग याद करते रहें कि कांग्रेस पार्टी के मंच से एक मुस्लिम युवक ने प्रधानमंत्री को मां की गाली दी थी। पता नहीं कांग्रेस को किस समझदार व्यक्ति ने यह आइडिया दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए एक वीडियो बनाया जाए, जिसमें प्रधानमंत्री और उनकी मां को दिखाया जाए। कांग्रेस ने बड़े गर्व से यह वीडियो जारी किया, जिसमें प्रधानमंत्री और उनकी मां जैसे दिखने वाले दो लोगों के बीच संवाद है। प्रधानमंत्री की मां जैसी दिखने वाली महिला प्रधानमंत्री के सपने में आती है और इस बात के लिए डांटती है कि वे बिहार चुनाव में उनके नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह पूरी तरह से गैरजरूरी वीडियो था। लेकिन कांग्रेस ने न सिर्फ इसे जारी किया है, बल्कि कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता मीडिया के सामने आकर समझा रहे हैं कि इसके कंटेट का क्या मतलब है और यह क्यों जरूरी थी। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने बहुत मासूमियत से पूछा कि एक मां अपने बेटे को नसीहत दे रही है, इसमें क्या अपमानजनक है? सोचें, पवन खेड़ा कांग्रेस के समझदार लोगों में गिने जाते हैं। वे ऐसी बात कर रहे हैं। वीडियो में कोई अपमानजनक बात नहीं है लेकिन वीडियो में जिस महिला को प्रधानमंत्री की दिवंगत मां की तरह दिखाया जा रहा है, उसका तो अपमान बिहार में हुआ है! यह बहस का विषय है कि अपमान करने वाला कांग्रेस से जुड़ा हुआ था या नहीं लेकिन कांग्रेस पार्टी के मंच से एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री को मां की गाली दी। लेकिन यह तथ्य है कि गाली दी गई, उस समय कांग्रेस के स्थानीय नेता मंच पर थे, किसी नेता ने गाली देने वाले का न तो प्रतिवाद किया और न उसकी शिकायत की। जब मीडिया में वीडियो चलने लगे तब उस व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। उसके बाद कांग्रेस उसे विक्षिप्त बता कर अपना बचाव करने लगी। 27 अगस्त की इस घटना पर कांग्रेस आज तक लगातार गलतियां करती जा रही है। जिस समय उस व्यक्ति ने मंच से गाली दी उसी समय कांग्रेस के नेता उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले करते तो बात खत्म हो जाती। उसके बाद विवाद बढ़ा

मार्क्स भक्त व मोदी भक्त दोनों का एक सा रोना!

हम हिंदुओं ने झूठ-फरेब के सोशल मीडिया को कैसे बुद्धि की गंगोत्री बनाया है इसकी ताजा बेहूदगी नेपाल पर भारत की समझ है। वामपंथी और हिंदू भक्त दोनों ने नेपाल के नौजवान गुस्से को अमेरिकी साजिश करार दिया है। काठमांडू में वामपंथी पार्टियों ने, ओली-प्रंचड टोली ने नेपाल को चीन की गोदी में बैठा दिया था। हालांकि इसमें मोदी सरकार का भी रोल था। उसने 2015 में कोलकाता बंदरगाह के रास्ते की ऐसी अघोषित नाकाबंदी की, जिससे ओली-प्रचंड ने चीन से जरिए रास्ता बनाया। और नेपाल चीन की कॉलोनी बनता गया। वहां सब कुछ चीनी दूतावास करते हुए था। सो, ओली-प्रचंड टोली के खिलाफ काठमांडू में नौजवानों का विद्रोह वामपंथियों के लिए भारी झटका है। तभी सोशल मीडिया पर हर वामपंथी अमेरिका पर ठीकरा फोड़ रहा है। उनके साथ मोदी भक्तों का सुर इसलिए है क्योंकि उसे नेपाल जैसा विद्रोह भारत में होने का खतरा है। तो वे यह प्रमाणित करने पर आमादा है कि हिंदू नेपाल का हो या भारत का वह भक्त होता है! वह महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी के खिलाफ सड़कों पर नहीं उतर सकता। मतलब हिंदू बुजदिल, बिकाऊ, भ्रष्ट है तो काठमांडू में जो हुआ वह चीन का प्रभाव खत्म कराने के लिए अमेरिकी साजिश है! वामपंथी भक्तों के अनुसार ओली सरकार प्रगतिशील, विकसित नेपाल बनाते हुए थी तो मोदी भक्तों के अनुसार नेपाली हिंदू की तासीर सरकार की भक्ति में रहने की ही है। सो, वामपंथी हो या मोदीवादी सभी ने नस्ल-कौम को दक्षिण एशिया के डीएनए माफिक सहनशील, सत्ता का बंधुआ बताने का हल्ला बनाया हुआ है। इसलिए काठमांडू में जो है वह अमेरिका की साजिश है। ध्यान रहे अंग्रेजों के जाने के बाद से भारत लगातार साजिशों की कहानियों में सांस लेता रहा है। इंदिरा गांधी की निगाहों में विपक्ष हमेशा सीआईए की साजिश का मोहरा व एजेंट रहा। तब जनसंघ-स्वतंत्र पार्टी के नेता बात-बात में सीआईए के पट्ठे करार दिए जाते थे। तंग आ कर पीलू मोदी अपने गले में पट्टा डाल कर संसद जाने लगे। उस पर लिखा था, 'मैं हूं सीआईए का एजेंट'। इंदिरा गांधी और सीआईए साजिश के प्रतिपादक वामपंथी विचारक, मीडिया खिसयाता रहा। उन दिनों इंदिरा गांधी विपक्ष की निगाहों में सोवियत गुड़िया थीं। जनसंघ के बलराज मधोक ने चुनाव हारने के बाद थीसिस दी थी कि मतपत्रों में धांधली के लिए रूसी स्याही जिम्मेवार है! तब से गंगा-यमुना में पानी बहुत बह चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने 140 करोड़ लोगों के दिमाग को सोशल मीडिया विश्वविद्यालयों का उपजाऊ मैदान बना दिया है। प्रधानमंत्री मोदी, उनके दफ्तर, शासन, शिक्षा, ज्ञान-रिसर्च, राजनीति, खुफियागिरी का सोर्स व गंगोत्री सोशल मीडिया है। मोदीजी के इसी मॉडल को दक्षिण एशिया के हर शासक ने सत्ता से चिपके रहने, सत्ता चलाने का आदर्श माना है। तभी दक्षिण एशिया में राजपक्षे, हसीना, ओली हों उन्होने मोदी को फॉलो करते हुए जनता को खूब ठगा और बेआबरू हो कर भागे। गणतंत्र को सत्ता केंद्रित क्रोनी राष्ट्रवाद, क्रोनी पूंजीवाद, क्रोनी धर्मवाद, क्रोनी चुनाव आयोग, क्रोनी संस्थाओं की ऐसी मनमानी में रंगा है कि हर तरफ आबादी भूख (अपेक्षाओं) की मारी है। और यह हिंदुओं का भी सर्वकालिक सत्य है कि "भूखे भजन न होत गोपाला"! सो ओली हों या मोदी-शाह या संघ परिवार भूखे पेट नौजवान इनका भी देरसबेर भजन छोड़ देने वाले है! और दक्षिण एशिया के इस शासन म़ॉडल में अमेरिका, उसके ट्रंप पर ही ठीकरा फूटा है, फूटेगा! ओली, राजपक्षे, हसीना के पतन का एकमेव कारण सत्ता के अहंकार में अपने को सर्वज्ञ, अजेय के रूप में मानना था। अपने अपरिहार्य होने के नैरेटिव के जरिए पूजवाना था। तीनों नेताओं ने राष्ट्रवाद और विकास की झूठी कहानियां, झूठे झांसे बनाए। फिर सोशल मीडिया से इसका घर-घर नैरेटिव (मतलब अच्छे दिन आए) बनवाया। दिल्ली की लीक पर कोलंबो, ढाका, काठमांडू में भी स्वतंत्र मीडिया खत्म और सत्ता केंद्रित क्रोनी सोशल मीडिया से नस्ल-राष्ट्र की बुद्धि में भूख, भक्ति की मरीचिका पैदा की। जैसे मोदी का प्रधानमंत्री दफ्तर हर दिन भारत में हेडलाइन बनवाता है वैसे ओली और हसीना का दफ्तर भी बनवाता था। इस सबका फिर प्रबंधनों से, विपक्ष को औकात दिखा कर लगातार चुनाव जीतते जाना। तभी दुनिया को सदमा-झटका लगा जब नौजवान सड़क पर उतरे तो राजपक्षे, हसीना और ओली को भागते देखा। किसी को विश्वास नहीं हुआ कि ऐसे कैसे संभव? राजपक्षे, हसीना, ओली (हर विरोधी को औकात बता चार बार प्रधानमंत्री और पीछे चीन) की छप्पन इंची छाती कम नहीं फूली रही थी। ओली ने नेपालियों में राष्ट्रवाद के पाखंड को पैठाने के लिए संसद से देश का नया नक्शा पास करवाया जिसमें भारत की जमीन को नेपाल के इलाके में दर्शाया!

सोचें, इतना धूर्त राष्ट्रवादी और जनरेशन जेड ने उसे भी भगा दिया तो भक्त माओवादी अमेरिका की साजिश तो बूझेंगे ही। ऐसे ही बांग्लादेश में हसीना के भागने के बाद यूनुस का ढाका लौटना और अंतरिम शासक बनना अमेरिकी साजिश का सबूत माना गया! जबकि काठमांडू में लड़कों ने अमेरिकी फाइव स्टार होटलों में आग लगा कर फूंका है। साफ है युवा नेपाली धोखा समझ रहा था। मतलब कम्युनिस्ट सरकार बात सर्वहारा की करती है लेकिन जीवन को भ्रष्टाचार, क्रोनी पूंजीवाद और विलासिता में जी रहे हैं। सो, असंतोष की चिंगारी का कारण असमानता, अमीर का और अमीर होते जाने का मौन नैरेटिव था। वैसा ही जैसे हसीना, राजपक्षे के यहां था। और 2014 से भारत में भी अंबानी, अडानी के किस्सों से स्थायी है। तभी मेरा मानना है कि मोदी-शाह उनके गुजराती खरबपतियों के लिए अंततः असमानता की विकरालता ही भारी पड़ेगी। पता नहीं संघ परिवार, मोहन भागवत और उनके कथित अनुयायी नरेंद्र मोदी को यह क्यों नहीं समझ आ रहा है कि अडानी-अंबानी के कुबेरी आंकड़े, जितने बढ़ेंगे उतनी बरबादी, भ्रष्टाचार, लूट का नैरेटिव घर-घर फैलेगा। क्या यह मामूली फीलिंग है कि विशाल झुग्गी-झोपड़, मध्य वर्ग के महानगर मुंबई में नंबर एक बिल्डर अडानी हो रहा है। भूमि-मकानों का ऐसा बनता माफिया जो आम मुंबईवासी, मराठा मानुष की 99 प्रतिशत आबादी के दिमाग को लगातार खदबदाता होगा। अदानी का नाम अब दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ियों में भी पहुंच गया है। झुग्गी बस्तियों में बुलडोजर चलने और उनकी जमीन को प्राइवेट बिल्डरों-अडानी को देने का वैसे ही खटका है जैसे मुंबई में धारावी झोपड़बस्ती अडानी से नाम हुई है। पर शायद मोदी-शाह-मोहन भागवत समझते हैं कि हिंदू सदियों से गुलाम-भयाकुल जीते आए हैं तो 40-50 साल तो मोदीशाही की भक्ति भी बनी रहेगी। चुनाव जीतते जाएंगे और हिंदू सोचते रहेंगे कि विकल्प क्या है? ऐसा ही ख्याल राजपक्षे, हसीना और ओली के भक्तों का भी था। और मान लो यदि वैसा नहीं हुआ तो अमेरिका की साजिश! तब नागपुर का संघ दफ्तर भी ट्रंप को कोसेगा, नरेंद्र मोदी को नहीं!

-हरिशंकर व्यास

सुप्रीम कोर्ट का नेपाल के हवाले चेताना!

प्रधानमंत्री मोदी, शाह, डोवाल को तुषार मेहता को बुलाकर समझना चाहिए कि बुधवार के दिन सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के बोलने का क्या अर्थ था? वह हमें नसीहत थी या विपक्ष याकि राहुल गांधी को? आखिर मोदी-शाह तो यह मानने से रहे कि दिल्ली कभी काठमांडू बनेगा! उन्होंने तो दिल्ली को किला बनाया हुआ है। किसानों को दिल्ली में पांव नहीं रखने दिए। वे दिल्ली को भी अंबानी-अडानी की बिल्डिंगों जैसी चमचमाती विकसित राजधानी बना दे रहे हैं। इतना ही नहीं अंबानी-अडानी सहित दरबारी जगत सेठों को देश की जीडीपी का पचास-साठ प्रतिशत मालिक बना कर हिंदुओं में स्थायी तौर पर खैरात-रेवड़ियां बटवाने का बंदोबस्त भी हो रहा हैं। क्या जजों ने देखा नहीं कि अडानी ने कैसे भूखे हिंदू भक्तों के लिए कुंभ, पुरी में लंगर खोले थे। सो, विकास का जब ऐसा अमृतकाल है तो सुप्रीम कोर्ट को हिंदुओं के कल्कि अवतार पर गर्व करना चाहिए या यह नसीहत देनी चाहिए कि, 'हमें अपने संविधान पर गर्व होना चाहिए, देखिए पड़ोसी देशों में क्या हो रहा है। नेपाल में तो हम देख रहे हैं'। और फिर जस्टिस विक्रम नाथ ने और जोड़ा कि, 'हां, बांग्लादेश भी'। आपको क्या पता है कि दोनों जजों ने यह टिप्पणी सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता याकि सरकार द्वारा नियुक्त गर्वनरों की निर्वाचित प्रदेश सरकारों पर मनमानी के मामले में सुनवाई के दौरान की थी। सीजेआई ने कहा कि सिर्फ आंकड़ों से निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। अगर राज्यों के दिए आंकड़े नहीं माने गए तो आपके भी नहीं माने

जाएंगे। इस मामले पर पांच जजों की संविधान पीठ की सुनवाई में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर थे। यह मामला अपने आपमें राजपक्षे, हसीना और ओली की अंहकारी शासन शैली से वैयक्तिक सनक में शासन का देशी उदाहरण है। यही पूरे दक्षिण एशिया की खूबी है। नेपाल में ओली-प्रंचड ने खुद नया संविधान बनाया। मगर उस अनुसार सामूहिक लीडरशीप का शासन नहीं रचा। ओली की ख्याति चतुर, तिकड़मी और सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने की थी। उन्होंने राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रवाद का हल्ला बना कर लोगों को उल्लू बनाया। मधेशियों के खिलाफ राजनीति की। विपक्ष को प्रताड़ित किया। स्वाभाविक था जो भ्रष्टाचार फैला। नौकरशाही का बोलबाला बना। और सोशल मीडिया की छोटी-छोटी चिंगारियों से नौजवानों में भावनाओं का भभका बना। हैरानी है जो काठमांडू में कम्युनिस्ट सरकार के पक्ष में उनके भक्त, उनका काडर सड़क पर नहीं आया। इसलिए क्योंकि व्यक्तिवादी, अहंकारी, बार-बार प्रधानमंत्री बन जाने वाला नेता धीरे-धीरे पैसे, प्रबंधन, धमकाने-डराने, प्रोपेगेंडा से सत्ता ही जीता है वह अपनी सत्ता, अपनी भूख में चौबीसों घंटे खोए रहता है। सत्ता के इकोसिस्टम का बंधक होता है। दुनिया में और भी देशों में पोपुलिस्ट नेता है। लेकिन आसियान देशों के नेता हो या तुर्की, खाड़ी देशों और लातिनी देशों की सरकारें, सभी की बुनावट दक्षिण एशियाई देशों के डीएनए जैसी नहीं है। गौर करें, बगल के आसियान देशों पर। नौजवानों की स्कूली-कॉलेज पढ़ाई सख्ती से है। मुझे नहीं लगता कि नरेंद्र मोदी की तरह आसियान या खाड़ी देशों में कोई प्रधानमंत्री हर साल स्कूली बच्चों का भाषण दे कर रिझाने के कार्यक्रम करता है। वे भाषणों से नहीं, बल्कि देश की युवा शक्ति की चिंता में, दुनिया में कंपीटिशन की कसौटी में पूरा ध्यान सस्ती लेकिन मेहनत भरी शिक्षा, कठोर परीक्षा से बच्चों को काबिल, बनाने पर देते हैं। इसलिए पिछले दस सालों का तुलनात्मक फर्क है जो वियतनाम, आसियान की जनरेशन जेड उत्पादकता के साथ देश के अवसरों में योगदान देते हुए है, जबकि मोदी के भारत में जनरेशन जेड सोशल मीडिया की बेहूदगियों, बेगारी और अवसरों के लिए भटकते हुए टाइमपास कर रही है। इसका सत्य यदि समझना है तो भारत की एक्स, वाई, जेड पीढियों के सरकारी नौकरी या कंपीटिशन देने के लिए ट्रेनों में भेड़-बकरियों की तरह की आवाजाही वाली तस्वीरे देखें। दुनिया में ऐसे नजारे कहीं नहीं मिलेंगे। इन युवाओं की नियति झांसे व झूठ में जीना है। और अंत में यह सुनना है कि ट्रंप की साजिश है! राहुल गांधी उकसा रहे हैं।

-हरिशंकर व्यास

उजड्ड विमर्श की इंतिहा के दौर में!

उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान नरेंद्र भाई मोदी की पलटन ने विपक्ष के प्रत्याशी रेड्डी पर नक्सलवादियों का पक्षधर होने की तोहमत भी ज़ोरशोर से लगाई। कहा कि जब वे सुप्रीम कोर्ट के जज थे तो उन्होंने सलवा जुडूम के बारे में एक फ़ैसला दिया था।. तो शुरू से ही हारे हुए प्रतिपक्षी प्रत्याशी को हराने के लिए सत्तापक्ष ने दुष्प्रचार का हर तरह का हथकंडा अपनाने से कोई गुरेज़ नहीं किया। नए उपराष्ट्रपति चंद्रपुरम पोन्नूसामी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को अपने पद की शपथ ले ली। उन का चुना जाना पहले दिन से ही तय था। विपक्ष से बी. सुदर्शन रेड्डी की उम्मीदवारी प्रतीकात्मक ही ज़्यादा थी। उपराष्ट्रपति के इस चुनाव में सिर्फ़ यही देखना बाक़ी था कि किस को कितने वोट मिलते हैं। राधाकृष्णन को सत्ता पक्ष के सांसदों की संख्या से 12 वोट अधिक मिले। ज़ाहिर है कि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी की उपलब्धि की तरह देखा जा रहा है। अब भले ही यह मालूम नहीं है कि किस-किस ने रेड्डी का पल्लू झटक कर राधाकृष्णन का दामन थामा, मगर यह सब के सामने हैं कि विपक्ष तो ख़ुद के सांसदों को अपने पाले में पूरी तरह नहीं रख पाया। अगर यह एकतरफ़ा पाला-बदल का खेल था तो भी और अगर दोतरफ़ा अदला-बदली का खेल था तो भी, इस से न तो नरेंद्र भाई की छाती छप्पन के बजाय छियासठ इंच की हो जानी चाहिए और न ही विपक्ष की आंखों से आंसू छलकने चाहिए। यह न सत्तापक्ष के लिए गर्व का विषय है और न विपक्ष के लिए शर्म का। सेंधमारी करने में क़ामयाबी पर काहे का गर्व? सेंधमारी का शिकार हो जाने में काहे की शर्म? गर्व करें तो वे करें, जिन्होंने यह जानते हुए भी कि वे हारेंगे-ही-हारेंगे, सेंधमारी करने की कोशिशें नहीं कीं और शर्म करें तो वे करें, जो अपनी जीत का लंबा-चौड़ा फ़ासला होते हुए भी सेंधमारी की पुरानी लत से निज़ात नहीं पा सके। इस लिहाज़ से देखें तो पक्ष-विपक्ष के बुनियादी चरित्र को उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान सामने आई इस मिसाल ने पूरी तरह साफ़ कर दिया। इस चुनाव में कुछ और भी ऐसे प्रसंग सामने आए, जिन से मौजूदा सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष के मूल स्वभाव की गहराई में, आप चाहें तो, झांक सकते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान नरेंद्र भाई के लष्करी जमकर हल्ला मचाते रहे कि रेड्डी को उपराश्ट्रपति पद का उम्मीदवार बना कर कांग्रेस और समूचे विपक्ष ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्वायत्तता पर हमला किया है। क्या ग़ज़ब का कुतर्क था? रेड्डी तो सुप्रीम कोर्ट के जज की ज़िम्मेदारी से 14 साल पहले रिटायर हो चुके थे। तब भी उन की उम्मीदवारी को न्यायपालिका की

पवित्रता से नत्थी कर दिया गया। मगर यह पूछने वाला कोई नहीं था कि जब नरेंद्र भाई की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को उन के सेवा निवृत्त होने के महज़ चार महीने के भीतर राज्यसभा में नामज़द कर दिया था, तब क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सुदृढ़ बनाने के लिए ऐसा किया गया था? यह सवाल भी किसी ने किसी से नहीं पूछा कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता रहीं आरती साठे ने एक दोपहर इस ज़िम्मेदारी से ख़ुद को मुक्त किया और उस के चंद ही महीने बाद बॉम्बे हाई कोर्ट की जज कैसे बना दी गईं? 28 जुलाई 2025 को हुई उन की इस नियुक्ति से क्या न्यायपालिका के नैतिक मूल्य मजबूत हुए हैं? और सुनिए। कोलकाता हाई कोर्ट के एक जज थे अभिजित गंगोपाध्याय। कोलकाता हाई कोर्ट में ही वकालत करते थे। 2018 में उसी हाई कोर्ट में जज बना दिए गए। पष्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के ख़िलाफ़ उन्होंने क्या-क्या फ़ैसले नहीं सुनाए। 2024 के लोकसभा चुनाव के दो महीने पहले मार्च में 5 तारीख़ को उन्होंने हाई कोर्ट जज के पद से इस्तीफ़ा दिया। दो दिन के भीतर 7 मार्च को भाजपा में भर्ती हो गए। दो दिन बाद 9 मार्च को नरेंद्र भाई की सिलीगुड़ी में जनसभा थी। वहां मंच पर बुला कर प्रधानमंत्री जी ने उन का अभिनंदन किया। उन्हें तमलुक से लोकसभा का टिकट दे दिया गया। चार दिनों में उन की ज़िंदगी में चार चांद लग गए। 15 मई को अपनी जनसभा में गंगोपाध्याय ने ममता के बारे में इतनी भद्दी टिप्पणी की कि निर्वाचन आयोग को स्वयमेव उस का नोटिस लेना पड़ा और 24 घंटे के लिए चुनाव प्रचार नहीं कर सकने की पाबंदी पूर्व जज साहब पर लगाई गई। जज साहब अब सांसद हैं। मोषा-भाजपा की राजनीतिक जीवन में षुचिता के इन नमूनों पर तो कभी कोई बात नहीं करता। उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान नरेंद्र भाई मोदी की पलटन ने विपक्ष के प्रत्याशी रेड्डी पर नक्सलवादियों का पक्षधर होने की तोहमत भी ज़ोरशोर से लगाई। कहा कि जब वे सुप्रीम कोर्ट के जज थे तो उन्होंने सलवा जुडूम के बारे में एक फ़ैसला दिया था। मैं आप को बताता हूं कि वह फ़ैसला क्या था? 2005 में जब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार थी तो मुख्यमंत्री रमन सिंह ने नक्सलवादियों से निपटने के लिए सलवा जुडूम समूहों की स्थापना की थी। इन समूहों को हथियारबंद किया गया था। गोंडी बोली के शब्द 'सलवा जुडूम' का मतलब तो होता है 'शांति अभियान', मगर हुआ यह कि एक तरफ़ नक्सलियों के आतंक से जूझ रहे छत्तीसगढ़ के आदिवासी ग्रामवासियों पर दूसरी तरफ़ से सलवा जुडूम के सशस्त्र हुड़दंगियों का कहर भी टूटने लगा। वे दो पाटन के बीच ऐसे फंसे कि उन का साबुत बचना मुश्क़िल हो गया। सलवा जुडूम पर मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप थे। वे निर्दोष ग्रामीणों पर अत्याचार, उन के जबरन विस्थापन, गांवों को जला डालने और स्त्रियों पर अत्याचार जैसे मामलों में लिप्त होने लगे थे। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में आया तो अदालत ने कहा कि राज्य द्वारा प्रायोजित सशस्त्र समूहों का गठन संवैधानिक शासन के खिलाफ है। रेड्डी का मत था कि नागरिकों की जान और माल की रक्षा की ज़िम्मेदारी राज्य की है और निजी सशस्त्र समूहों को प्रायोजित करना ग़ैरक़ानूनी है। सुप्रीम कोर्ट की दो-सदस्यीय पीठ ने यह भी कहा कि सलवा जुडूम जैसे अभियान ने नक्सलियों का प्रभाव कम करने के बजाय उल्टा नक्सलियों को समर्थन बढ़ाने में मदद की, क्योंकि यह अभियान आदिवासियों के लिए उत्पीड़न का कारण बन गया था। 18 पूर्व न्यायमूर्तियों ने इस फैसले का समर्थन करते हुए तब इसे संवैधानिक माना था। तो शुरू से ही हारे हुए प्रतिपक्षी प्रत्याशी को हराने के लिए सत्तापक्ष ने दुष्प्रचार का हर तरह का हथकंडा अपनाने से कोई गुरेज़ नहीं किया। क्या आप को नहीं लगता है कि उपराष्ट्रपति के चुनाव में हमारे सत्तासीन ज़रा गरिमा से काम ले सकते थे? अगर रेड्डी की उम्मीदवारी को न्यायपालिका की आज़ादी की अवहेलना और नक्सलवाद के समर्थन जैसे उजड्ड विमर्श से न जोड़ा गया होता तो क्या ज़्यादा बेहतर नहीं होता? अधिकतम मतों के अंतर से हर चुनाव जीतने की हवस-पूर्ति ज़्यादा ज़रूरी है या लोकतंत्र की आचरण संहिता की हर हाल में रक्षा करना ज़्यादा अहमियत रखता है? मगर पिछले एक-सवा दशक में, लगता है, हम सियासी अंत:पुर की पतनगाथाएं सुनने को पूरी तरह अभिशप्त हो गए हैं। इस झंझावात से मुक्ति का रास्ता दूर-दूर तक नज़र भी नहीं आता है। प्रसंगवशः रातोंरात अगोचर हो गए भारत के 14 वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अब 53 दिन बाद चूंकि 15 वें उपराष्ट्रपति के षपथ ग्रहण समारोह में प्रकट हो गए हैं, क्या हम उम्मीद करें कि उन के एकाएक इस्तीफ़े के रहस्यलोक से आने वाले दिनों में पर्दा उठेगा? समूचा देश जानना चाहता है कि आख़िर ऐसा क्या भेद है, जो इस पर्दे के उठने से खुल जाएगा?

-पंकज शर्मा

चीनी नौसेना में तीसरे विमानवाहक पोत की एंट्री, समुद्र में भारत की टेंशन बढ़ाएगा टाइप 003 फुजियान

एजेंसी बीजिंग

चीनी नौसेना अपने तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान को कमीशन करने के लिए तैयार है। चीनी सोशल मीडिया के अनुसार, यह पोत अपने शिपयार्ड से अज्ञात स्थान की ओर रवाना हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में फुजियान को शंघाई के जियांगन शिपयार्ड के चांगक्सिंग द्वीप गोदी से धीरे-धीरे रवाना होने से पहले अपने इंजन को चालू करते हुए घना धुआं छोड़ते दिखाया गया। इससे पहले, इस पोत का तीन महीने तक मेंटीनेंस किया गया था। चीनी सरकारी मीडिया ने पहले ही बताया है कि फुजियान को इस साल के अंत तक सेवा में शामिल किया जा सकता है। चीन के तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान को टाइप 003 के नाम से भी जाना जाता है। यह चीन का सबसे उन्नत विमानवाहक पोत और पहला सुपरकैरियर भी है। चीनी सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि फुजियान की यह यात्रा पिछले समुद्री परीक्षणों से अलग हो सकती है। इससे यह अटकलें लगाई जा रही है कि यह विमानवाहक पोत उम्मीद से पहले ही चीनी नौसेना में शामिल हो सकता है। चीनी सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने पिछले महीने एक फुटेज प्रसारित किया था जिसमें संकेत दिया गया था कि फुजियान 18 सितंबर 2025 को चीनी नौसेना में शामिल किया जा सकता है। यह तारीख चीन पर शाही जापान के आक्रमण की शुरुआत की 94वीं वर्षगांठ है। चीनी सोशल मीडिया में एक और तारीख 1 अक्तूबर की भी चर्चा की जा रही है। इस दिन चीन का राष्ट्रीय दिवस होता है। फुजियान विमानवाहक पोत के पतवार और डेक को पूरी तरह से साफ दिखाया गया है। इससे पहले की यात्राओं में फुजियान के डेक पर लड़ाकू विमानों के मॉडल या मॉक-अप रखे गए थे। ऑनलाइन साझा की गई हवाई तस्वीरों से पता चलता है कि चीन का पहला इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट विमानवाहक पोत फुजियान शंघाई से दक्षिण की ओर जा रहा है। मंगलवार से, चाइना स्टेट

शिपबिल्डिंग कॉर्पोरेशन लगातार तीन दिनों तक सोशल मीडिया पर विमानवाहक पोत-थीम वाली बीजिंग मेट्रो ट्रेन का प्रचार कर रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि फुजियान जल्द ही सेवा में आ सकता है। फुज़ियान विमानवाहक पोत के मई 2024 से अब तक आठ समुद्री परीक्षण किए जा चुके हैं। इनमें इसके प्रणोदन (प्रपल्शन सिस्टम), इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, डेक ऑपरेशन और विमानवाहक पोतों से उड़ान भरने वाले विमानों के उड़ान भरने और उतरने का परीक्षण किया गया है। चीन ने 3 सितंबर को परेड के दौरान विमानवाहक पोतों से उड़ान भरने वाले तीन विमानों J-35A, J-15T, J-15DT और KJ-600 का प्रदर्शन किया था। ऐसे में उम्मीद है कि फुजियान पर इन्हीं तीनों विमानों को तैनात किया जाएगा। इनमें J-35A स्टील्थ लड़ाकू विमान, J-15T भारी वाहक लड़ाकू विमान, J-15DT इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और KJ-600 पूर्व चेतावनी विमान है। फुजियान टाइप 003 क्लास के पारंपरिक रूप से संचालित विमानवाहक पोतों में से पहला है और इलेक्ट्रो मैग्नेटिक कैटापल्ट सिस्टम से लैस होने वाला पहला घरेलू रूप से डिजाइन और निर्मित फ्लैट-डेक पोत है। यह अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड के बाद इलेक्ट्रो मैग्नेटिक कैटापल्ट से लैस दुनिया का दूसरा विमानवाहक होगा। यह तकनीक इस प्लेटफॉर्म को अधिक विमानों को अधिक कुशलता से लॉन्च करने में सक्षम बनाती है। यह पोत 320 मीटर (1,050 फीट) लंबा, 78 मीटर चौड़ा और 11.5 मीटर का ड्राफ्ट वाला है। इसमें तीन इलेक्ट्रो मैग्नेटिक कैटापल्ट, दो विमान लिफ्ट और कई अरेस्टिंग डिवाइस लगे हैं। फुजियान विमानवाहक पोत के निर्माण की शुरुआत 2019 में की गई थी। इसे 17 जून, 2022 को जियांगन शिपयार्ड में लॉन्च किया गया। उस सितंबर में इसके मूरिंग परीक्षण हुए और मई 2024 में समुद्री परीक्षण शुरू हुए। इस जहाज ने केवल 13 महीनों में 117 दिनों के आठ परीक्षण पूरे कर लिए हैं। चीन की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका को फोर्ड क्लास के विमानवाहक पोत को निर्माण से लेकर सर्विस में शामिल करने में 16 साल लगे थे, जबकि चीन ने फुजियान को मात्र छह साल में पूरा कर लिया है। फुजियान को समुद्र में चलता-फिरता एयरबेस कहा जा रहा है। यह एयरक्राफ्ट कैरियर भारी हथियारों से लैस लड़ाकू विमानों को भी उड़ाने में सक्षम है। ऐसे में फुजियान से उड़ान भरने वाले लड़ाकू विमान और अर्ली वार्निंग एयरक्राफ्ट दूर तक गश्त लगा सकते हैं। यह हिंद महासागर में तैनाती के दौरान आसानी से अफ्रीका महाद्वीप से लेकर मलेशिया- इंडोनेशिया तक समुद्र में अपनी धौंस दिखा सकता है।

रूस की बड़ी कामयाबी, जिरकोन हाइपरसोनिक मिसाइल ने भेदा अपना टारगेट, बढ़ेगी यूक्रेन-अमेरिका की टेंशन

एजेंसी मॉस्को

रूस ने सैन्य क्षेत्र में एक और अहम कामयाबी हासिल की है। रूस ने बेरेंट्स सागर में जिरकोन (त्सिरकॉन) हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रूसी आर्मी ने रविवार को बताया कि टेस्ट के दौरान जिरकोन को सफलता के साथ टारगेट पर दागा गया। रूस ने बेलारूस के साथ संयुक्त सैन्य ड्रिल के तहत सुखोई एसयू-34 सुपरसोनिक लड़ाकू बमवर्षकों से भी हमले का अभ्यास किया है। रूस का यह परीक्षण यूक्रेन और अमेरिका की टेंशन को बढ़ा सकता है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने उत्तरी बेड़े के एडमिरल गोलोव्को फ्रिगेट की ओर से बेरेंट्स सागर में टारगेट पर जिरकोन हाइपरसोनिक मिसाइल दागने का फुटेज जारी किया। इसमें एक मिसाइल को फ्रिगेट से लंबवत प्रक्षेपित होते और फिर क्षितिज की ओर एक कोण पर शक्ति छोड़ते हुए दिखाया गया है। इस दौरान लक्ष्य को सीधे प्रहार से नष्ट कर दिया गया। रूस में 3M22 जिरकोन और नाटो देशों में SS-N-33 के नाम से जानी जाने वाली इस मिसाइल की मारक क्षमता 400 किलोमीटर से 1,000 किलोमीटर तक है। इसके वारहेड का भार करीब 300-400 किलोग्राम है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2019 में कहा था कि जिरकोन की रफ्तार ध्वनि की गति नौ गुना तेज है। यह समुद्र और जमीन पर 1,000 किलोमीटर (600 मील) से अधिक की दूरी पर लक्ष्यों को भेद सकती है। रूस की ओर से कहा गया है कि उत्तरी बेड़े के मिश्रित विमानन कोर के लंबी दूरी के पनडुब्बी रोधी विमान इस अभ्यास में शामिल हुए। इस दौरान Su-34 जेट के चालक दल ने जमीनी लक्ष्यों पर बमबारी का अभ्यास किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूस और बेलारूस के बीच अभ्यास 12 सितंबर को शुरू हुआ। इसका उद्देश्य रूस या बेलारूस पर हमले की स्थिति में सैन्य कमान और समन्वय को बेहतर बनाना है। रूस ने ओनिक्स क्रूज मिसाइल के अपग्रेड वर्जन का भी परीक्षण किया। रूस के प्रशांत बेड़े ने कुरील द्वीप में 350 किमी टारगेट पर बैस्टियन प्रणाली से मिसाइल दागी। ओनिक्स वह मूल मिसाइल है, जिस पर भारत की ब्रह्मोस आधारित है। ओनिक्स को जमीन, जहाज, पनडुब्बी या विमान से दागा जा सकता है। रूस की इस मिसाइल ओनिक्स का भारत की ब्रह्मोस मिसाइल से सीधा कनेक्शन है। भारत की ब्रह्मोस मिसाइलओनिक्स का एक व्युत्पन्न (डेरिवेटिव) है। खासतौर से नई ब्रह्मोस-विस्तारित रेंज (ईआर) लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (एलएसीएम)अपनी पिछली 290 किलोमीटर की रेंज से बढ़कर 450 किलोमीटर तक पहुंची है।

रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी पर भीषण ड्रोन हमला, फ्यूल की कमी के बीच यूक्रेन ने दी चोट

एजेंसी : यूक्रेन पर रूस ने बड़ा हमला किया है। ये ड्रोन रू

मॉस्कोस की तेल रिफाइनरियों और पाइपलाइनों को निशाना बनाकर किए गए। रूसी अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यूक्रेन ने शनिवार रात को 361 ड्रोन उनकी जमीन पर दागे। इनमें से कुछ ड्रोन रूस के उत्तर-पश्चिम में स्थित विशाल किरिशी तेल रिफाइनरी तक पहुंचने में कामयाब रहे। इससे रिफाइनरी के एक हिस्से में आग लग गई। हालांकि ड्रोन हमले या आग लगने की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इसे हालिया समय का यूक्रेन की ओर से रूस पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने यूक्रेन के कम से कम 361 ड्रोन मार गिराए हैं। इनमें चार गाइडेड हवाई बम और एक अमेरिका निर्मित HIMARS मिसाइल शामिल थी। रूसी अधिकारियों ने बताया कि रूस की सबसे बड़ी दो रिफाइनरियों में से एक किरिशी नेफ्टेओर्गसिंटेज

रिफाइनरी यूक्रेनी ड्रोन हमले का टारगेट थी। लेनिनग्राद गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेको ने बताया कि किरिशी क्षेत्र में तीन ड्रोन नष्ट किए गए और गिरते मलबे से लगी आग बुझा दी गई। हमले में रिफाइनरी को नुकसान अभी साफ नहीं है। रूस की प्रमुख तेल कंपनी सर्गुतनेफ्तेगास इस रिफाइनरी को चलाती है, जो हमले का शिकार हुई है। यह हर वर्ष करीब 1.77 करोड़ मीट्रिक टन यानी हर दिन 3,55,000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है। ऐसे में साफ है कि पहले से ईंधन की कमी का सामना कर रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुश्किल इस हमले से बढ़ सकती है। रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक है। हालांकि यूक्रेन शुरू होने के बाद उसको मुश्किल का सामना करना पड़ा है। मांग में वृद्धि और यूक्रेनी ड्रोन हमलों के चलते गैसोलीन की कमी हो गई है। कई क्षेत्रों में ईंधन स्टेशनों पर वाहनों लंबी कतारे देखी गई हैं। रूस ने इससे निपटने के लिए गैसोलीन के निर्यात पर रोक लगाई है। ऐसे वक्त में रूस की प्रमुख रिफाइनरी पर हमला हुआ है। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी, 2022 से चल रहे युद्ध में ड्रोन दोनों पक्षों के लिए एक अहम हथियार बन गए हैं। हालिया दिनों में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर ड्रोन दागे हैं। मंगलवार को रूसी ड्रोन के पोलैंड तक जाने की बात सामने आई थी। इस हमले का पोलैंड ने कड़ा प्रतिकार किया है। इससे लड़ाई के पूरे यूरोप में फैलने की आशंका पैदा हो गई है।

भारत के पास 1.4 अरब लोग तो वह हमारा मक्का क्यों नहीं खरीदते... ट्रंप के मंत्री की नई गीदड़भभकी

एजेंसी वॉशिंगटन

भारत और अमेरिका में टैरिफ को लेकर खींचतान जारी है। अमेरिका ने भारत से आयात पर कुल 50% का टैरिफ लगाया है। इनमें से 25% भारत में अमेरिकी सामानों पर ज्यादा टैक्स के कारण और बाकी का 25% रूस से तेल खरीदने के कारण लगा है। हालांकि, दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने हाल के दिनों में टैरिफ पर फिर से बातचीत शुरू करने और शर्तों में नरमी के संकेत दिए थे। लेकिन, अमेरिकी प्रशासन ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया है। अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने भारत में इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद उनके देश से मक्का न खरीदने का आरोप लगाया है। हॉवर्ड लुटनिक ने एक इंटरव्यू में कहा "हम बड़ी कीमत चुका रहे हैं। हम ऐसा नहीं कर सकते। भारत शेखी बघारता है कि उसके पास 1.4 अरब लोग हैं। उसके 1.4 अरब लोग अमेरिका से एक बुशल (35.2kg) मक्का क्यों नहीं खरीदते? क्या यह बात आपको बुरी नहीं लगती कि वे हमें सब कुछ बेचते हैं और हमारा मक्का नहीं खरीदते? वे हर चीज पर टैरिफ लगाते हैं। इसलिए राष्ट्रपति (ट्रंप) कहते हैं, "अपने टैरिफ कम करो। उन्होंने आगे कहा, "हमारे साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा हम तुम्हारे साथ करते हैं। अब हमारे पास सही और गलत के कई साल हैं, इसलिए हम चाहते हैं कि जब तक हम इसे ठीक नहीं कर लेते, तब तक टैरिफ दूसरी तरफ रहे। है ना? यही राष्ट्रपति का मॉडल है और या तो आप इसे स्वीकार करें या फिर आपको दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता के साथ व्यापार करने में मुश्किल होगी।" अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ दिनों पहले ही सोशल मीडिया पर लिखा था कि वह भारत के साथ जल्द ही व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने वाले हैं। ट्रंप ने लिखा, "मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं।" ट्रंप ने आगे कहा, "मैं आने वाले हफ्तों में अपने बहुत अच्छे दोस्त, प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं।" ट्रंप के भारत के लिए राजदूत नियुक्त सर्जियो गोर ने भी सीनेट विदेश मामलों की समिति के सामने कहा था कि दोनों देश व्यापार समझौता करने के करीब हैं।

पेरू में खोजे गए 3800 साल पुराने शहर से एक्सपर्ट हैरान, प्राचीन अमेरिकी सभ्यता पर खुले नए राज

एजेंसी लीमा

दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में पुरातत्वविदों ने प्राचीन शहर की खोज की है। पेरू की रेगिस्तानी पहाड़ियों पर 3,800 साल पुराने शहर की खोज अमेरिकी सभ्यता के शुरू होने पर पुरानी मान्यताओं को तोड़ रही है। पेरू की सुपे घाटी में ये खोज हुई है। यहां की मिट्टी की दीवारें और रेगिस्तान से उठती गर्मी में इसकी कल्पना करना कठिन है कि यह कभी महान सभ्यताओं में से एक थी। हजारों साल रेगिस्तान के नीचे दबे रहे इस शहर की नई खोज अमेरिका के इतिहास को फिर से लिख रही है। इस सालु जुलाई में पेरू की पुरातत्वविद् डॉक्टर रूथ शैडी ने पेरू की प्राचीन कैरल सभ्यता के 3,800 साल पुराने शहर पेनिको को दुनिया के सामने पेश किया। इस स्थल में 18 संरचनाएं हैं, जिनमें मंदिर और आवासीय परिसर शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह इस बात के नए प्रमाण प्रदान करता है कि कैरल लोगों ने जलवायु आपदाओं के साथ तालमेल बैठाया। पेनिको कैरल सभ्यता के संघर्ष-रहित जीवन के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। एज्टेक, माया या इंका की सभ्यता से

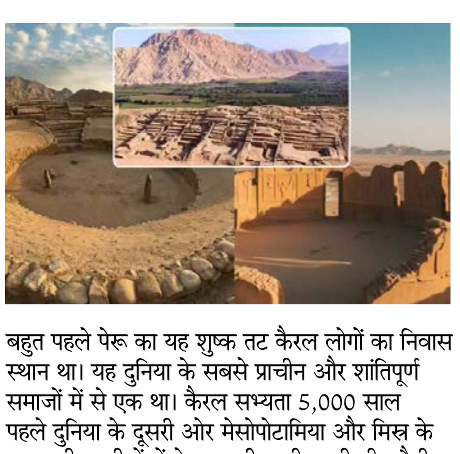

बहुत पहले पेरू का यह शुष्क तट कैरल लोगों का निवास स्थान था। यह दुनिया के सबसे प्राचीन और शांतिपूर्ण समाजों में से एक था। कैरल सभ्यता 5,000 साल पहले दुनिया के दूसरी ओर मेसोपोटामिया और मिस्र के शुरुआती शहरी केंद्रों के साथ ही फली-फूली थी। शैडी का कहना है कि कैरल में 3000 ईसा पूर्व से 1800 ईसा पूर्व तक लोग रहते थे। शैडी के निष्कर्षों के अनुसार, कैरल में 3,000 लोग रहते थे। यहां आसपास के कई छोटे गांव भी थे। सुपे घाटी की रणनीतिक स्थिति प्रशांत तट को उपजाऊ एंडियन घाटियों और सुदूर अमेजन से जोड़ती थी। इससे सांस्कृतिक और व्यावसायिक आदान-प्रदान का एक नेटवर्क बन गया था। कैरल लोग कपास, शकरकंद, स्क्वैश, फल और मिर्च उगाते थे। ये पहाड़ों से खनिजों का व्यापार करते थे। गिलहरी और बंदर इनके पालतू जानवर थे। कैराल की वास्तुकला और दूसरे आर्ट काफी विकसित थे। शहर का एम्फीथिएटर भूकंपरोधी था। इसे प्रशांत क्षेत्र के सबसे शक्तिशाली भूकंपों को झेलने के लिए डिजाइन किया गया था। इसमें बड़े संगीत समारोहों के लिए एक अद्वितीय ध्वनिक डिजाइन था। यहां से 32 अनुप्रस्थ बांसुरी मिली हैं। यह पेलिकन की हड्डियों से बनी हैं। शैडी ने बताया कि इन वाद्ययंत्रों से यहां के लोग तट, पहाड़ों और जंगल के लोगों का अनुष्ठानों और समारोहों में स्वागत करते थे। इस सभ्यता के पतन के बारे में माना जाता है कि अपनी सामाजिक सफलता के बावजूद इसे कठिन चुनौती का सामना करना पड़ा। ये चुनौती जलवायु के बदलाव की वजह से बना। करीब 4,000 साल पहले वर्षों का सूखा एक व्यापक वैश्विक बदलाव की वजह बना। शैडी कहती हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण कैरल में नदियां और खेत सूख गए। उन्हें शहरी केंद्रों को छोड़ना पड़ा और बड़ी संख्या में लोग मारे गए।

खालिस्तानियों से कनाडा का मोहभंग, 30 लोगों की शरण की अपीलें खारिज, भारत की बहुत बड़ी जीत

एजेंसी ओटावा

कनाडा का भारत विरोधी खालिस्तानियों से मोहभंग होने लगा है। यह मोहभंग जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद शुरू हुआ है। कनाडा की फेडरल कोर्ट ने इस साल खालिस्तानियों से संबंध रखने वाले कम से कम 30 लोगों की अपीलों को खारिज किया है। ये ऐसे लोग थे, जिनमें से कई को खालिस्तान के कथित समर्थन के आधार पर निष्कासित किया गया था या फिर उन्हें कनाडा में शरण देने से इनकार किया गया था। इसके बाद इन लोगों ने कनाडा की फेडरल कोर्ट में उन सरकारी एजेंसियों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। हालांकि, अब कोर्ट में केस के खारिज होने से खालिस्तान से संबंध रखने वाले इन लोगों को तगड़ा झटका लगा है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के फेडरल कोर्ट के रिकॉर्ड से पुष्टि होती है कि इन लोगों ने कनाडा की सरकार द्वारा उन्हें देश से निकालने या शरणार्थी का दर्जा देने से इनकार करने के फैसले के खिलाफ अपील की थी। कई मामलों में, आवेदकों ने अलगाववादी समूह सिख्स फॉर जस्टिस या एसएफजे से किसी तरह के जुड़ाव या तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह के लिए मतदाता पहचान पत्र रखने का हवाला देते हुए भारत लौटने पर उत्पीड़न के अपने कथित डर का हवाला दिया। दूसरी ओर, केवल चार आवेदकों की अपीलों को फेडरल कोर्ट ने बरकरार रखा है। कनाडा में पूरी दुनिया में सबसे अधिक खालिस्तानी रहते हैं। इस देश में भारत विरोधी गतिविधियां धड़ल्ले से संचालित की जा रही हैं। ये खालिस्तानी भारत में अलग खालिस्तान देश की मांग और हिंसा में लिप्त हैं। इनके अलग-अलग समूह भारत में आतंकी हमले की धमकियां देते हैं, जिनमें सिख फॉर जस्टिस और दूसरे आतंकवादी समूह भी शामिल हैं। इनमें से कई आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान और दूसरे देशों के भारत विरोधी तत्वों का संरक्षण प्राप्त है। इसके अलावा कनाडा की जस्टिन ट्रूडो की नेतृत्व वाली सरकार ने भी खालिस्तानियों को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की हिंसा आम बात हो गई है। भारत विरोध के नाम पर इन खालिस्तानियों ने अपने गैंग बना रखे हैं। ये गैंग अक्सर अपने दबदबे को कायम रखने के लिए हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह हत्या, हफ्ता वसूली, अपहरण और फिरौती जैसे अपराधों में भी शामिल हैं। ऐसे में आम कनाडाई लोगों का मन इनसे उब गया है और स्थानीय लोगों के दबाव में कनाडा की सरकार को भी इनके खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ रही है। हाल की ही सुरक्षा रिपोर्ट में भी कनाडा की सरकार ने खालिस्तानियों से देश को खतरा बताया है। कनाडा का खालिस्तानियों के खिलाफ एक्शन को भारत की बड़ी जीत बताया जा रहा है। भारत लगातार कनाडा से खालिस्तानियों के खिलाफ कार्रवाई को कहता रहा है। लेकिन, वहां की सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के कारण इनके खिलाफ कभी भी कोई कदम नहीं उठाया। भारत ने कनाडा में रह रहे खालिस्तान समर्थकों के अपराध में लिप्त होने के सबूत भी सौंपे, लेकिन उसके बावजूद कनाडा ने कुछ नहीं किया। ऐसे में कनाडा के खालिस्तान विरोधी कदमों को भारत की बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है।

दिमाग खराब नहीं... सौरव गांगुली ने माइक हेसन को लताड़ा, नवाज को बताया था दुनिया का बेस्ट स्पिनर

एजेंसी नई दिल्ली

पाकिस्तान के हेड कोच माइक हेसन ने एशिया कप में ओमान के खिलाफ मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए थे। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के बाएं हाथ से स्पिन मोहम्मद नवाज को दुनिया का बेस्ट स्पिनर करार दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया। अब भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का मुकाबला होना है। इससे पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली से माइक हेसन के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई। सौरव गांगुली ने पाकिस्तान के कोच माइक हेसन को मोहम्मद नवाज को दुनिया का बेस्ट स्पिनर कहने पर जमकर लताड़ा। गांगुली ने हेसन की बात को खारिज करते हुए कहा कि नवाज को यह साबित करना होगा कि उनके कोच का 'दिमाग खराब नहीं हुआ है'। आनंद बाजार पत्रिका के साथ इंटरव्यू में गांगुली को हेसन के कमेंट के बारे में बताया गया। इस पर गांगुली ने तीखा जवाब दिया। पत्रकार ने बातचीत शुरू करते हुए कहा, 'पाकिस्तान के कोच माइक हेसन ने दावा किया है कि उनकी टीम में दुनिया का बेस्ट स्पिनर है। इस पर गांगुली ने पूछा- वह स्पिनर कौन है? पत्रकार ने मोहम्मद नवाज का नाम लिया। पूर्व भारतीय कप्तान ने कुछ शब्द कहे, लेकिन उनके जवाब ने बहस को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा, 'ठीक है। तो उस स्पिनर को इस बार यह साबित करने दो कि कोच का दिमाग खराब नहीं है।' नवाज ने पाकिस्तान के लिए अब तक 72 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 22.42 की औसत और 7.25 की इकॉनमी से 71 विकेट लिए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप शुरू होने से पहले ट्राई सीरीज के फाइनल में नवाज ने हैट्रिक विकेट चटकाया था। सौरव गांगुली का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला एकतरफा होगा। उनका कहना है कि सूर्यकुमार यादव की टीम आसानी से जीत जाएगी। गांगुली ने कहा कि वह समय बीत गया जब पाकिस्तान एक मजबूत टीम हुआ करती थी। मौजूदा टीम पिछली टीमों जितनी अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा- वसीम अकरम, वकार यूनिस, शोएब अख्तर, सईद अनवर, इंजमाम-उल-हक, यूनिस खान, मोहम्मद यूसुफ जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी पाकिस्तान की टीम में हुआ करते थे। लेकिन अब पाकिस्तान के लिए कौन खेल रहा है? माफ कीजिए शाहीन शाह अफरीदी और वसीम अकरम एक जैसे नहीं हैं।

ख्वाब बुमराह को 6 छक्के मारने के, पहली ही गेंद पर आउट, हार्दिक पंड्या ने यूं सैम अयूब का किया शिकार

एजेंसी दुबई

भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का हाईवोल्टेज मैच खेला जा रहा है। इस मैच में टॉस भले ही पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने जीता हो, लेकिन उनका पहले बल्लेबाजी करने का फैसला गलत रहा। टीम इंडिया के लिए पहला ओवर लेकर आए हार्दिक पंड्या ने पाकिस्तान के घातक ओपनर माने जाने वाले सैम अयूब को गोल्डन डक पर वापस भेज दिया। हार्दिक पंड्या पाकिस्तान की पारी का पहला ओवर लेकर आए। उन्होंने ओवर की शुरुआत एक वाइड बॉल के साथ की। लेकिन अगली गेंद उन्होंने सैम अयूब के सामने गुड लेंथ पर फेंकी। इस गेंद पर अयूब एक कट शॉट खेलने गए और पाइंट पर खड़े जसप्रीत बुमराह ने उनका एक आसान सा कैच लपक लिया। इससे पाकिस्तानी टीम को पहले ओवर में एक बड़ा झटका लग गया। एशिया कप में सैम अयूब खराब फॉर्म का शिकार हो रहे हैं। ये इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरा मौका है जब वो गोल्डन डक पर आउट हुए हैं। इससे पहले ओमान के खिलाफ भी वे पहली ही गेंद पर LBW आउट हो गए थे। इस मैच से पहले सैम अयूब ने बहुत बड़ी-बड़ी बात की थीं। उन्होंने कहा था कि भारत के खिलाफ मैच को वे ज्यादा बड़ा नहीं मानते। लेकिन मैच शुरू होते ही वे कितने पानी में हैं इसका अंदाजा लग गया। इस मुकाबले में जहां हार्दिक ने गोल्डन डक पर सैम अयूब का शिकार किया। वहीं दूसरी तरफ दूसरे ओवर में जसप्रीत बुमराह ने मोहम्मद हारिस को सिर्फ 3 रन बनाने के बाद आउट कर दिया। इससे पाकिस्तान की टीम को पहले दो ओवरों में ही दो बड़े छटके लग गए।

पाकिस्तान से टॉस हारने के बावजूद गदगद सूर्यकुमार यादव, बोले- मुराद पूरी हुई, अब होगा भौकाली शो

एजेंसी दुबई

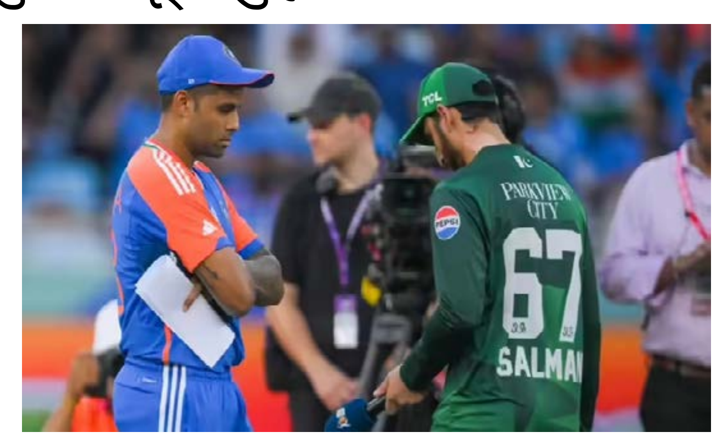

एशिया कप 2025 के छठे मैच में भारतीय टीम की टक्कर पाकिस्तान से हो रही है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर टीम इंडिया ने पहले बॉलिंग कर रही है। टॉस का सिक्का पाकिस्तान के पक्ष में गिरा। टीम के कप्तान सलमान आगा ने पहले बैटिंग करने का फैसला किया। पाकिस्तान को अपने पहले मैच में पहले खेलते हुए ही जीत मिली थी। वहीं भारतीय टीम ने रन चेज करते हुए जीत हासिल की थी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉस हारने के बाद भी खुश थे। वह पहले गेंदबाजी ही करना चाहते थे। टॉस के समय रवि शास्त्री से बात करते हुए भारतीय कप्तान ने कहा, 'हम पहले गेंदबाजी करने की सोच रहे थे और इससे खुश हैं। हमने बगल वाली पिच पर ही खेला था। विकेट अच्छा था और रात में बल्लेबाजी के लिए बेहतर था। मौसम उमस भरा है, इसलिए ओस पड़ने की उम्मीद है। भारत और पाकिस्तान के टी20 मैचों में रन चेज करने वाली टीम हावी रही है। अभी तक दोनों टीमों के बीच 13 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें 9 बार चेज करने वाली टीम जीती है। इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच तीन टी20 इंटरनेशनल मैच हुए हैं। इसमें हर बार चेज करने वाली टीम को जीत मिली है। भारत ने अपना पहला मैच भी चेज करते हुए ही जीता था। यही वजह है कि भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ ही अन्य खिलाड़ी भी खुश होंगे।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

भारतः अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तानः साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, अबरार अहमद।

सलमान आगा से सूर्यकुमार यादव ने नहीं मिलाया हाथ, पाकिस्तानी की ओर देखा तक नहीं, एशिया कप में भयंकर टेंशन

एजेंसी दुबई

भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 के ग्रुप स्टेज मुकाबले को लेकर भारत में काफी ज्यादा टेंशन है। यह हमको टॉस के वक्त भी देखने को मिली, जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ तक नहीं मिलाया। बता दें कि टॉस के वक्त यह रुटीन होता है कि दोनों टीमों के कप्तान शीट एक्सचेंज करते हैं और एक दूसरे से हाथ मिलाते हैं। लेकिन, भारत-पाकिस्तान का मैच शुरू होने से पहले टॉस के वक्त सूर्यकुमार यादव ने सलमान आगा से हैंडशेक नहीं किया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव ने टीम मैनेजमेंट को टॉस के कुछ घंटे पहले ही बता दिया था कि वो पाकिस्तान कप्तान के साथ टॉस के वक्त पारंपरिक रुटीन नहीं करेंगे। इसी के साथ उन्होंने अपनी टीममेट्स को यह भी कहा कि यह उनपर है कि वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाना चाहते हैं या नहीं। भारत और पाकिस्तान दोनों ही एशिया कप का अपना पहला मैच जीतकर आ रहे हैं। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। बता दें कि पाकिस्तान और भारत की टीम की प्लेइंग 11 में कोई बदलव नहीं हुआ है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान पहली बार एक दूसरे के साथ पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद क्रिकेट मैच खेल रहे हैं। इसको लेकर काफी विरोध भी हो रहा है।

मैच के लिए दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत की प्लेइंग 11- भारत- अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान की प्लेइंग 11- पाकिस्तान- साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, अबरार अहमद।

व्यापार

खत्म होगा डॉलर राज दांव पर रूस-चीन की कामयाबी... टॉप भारतीय इकोनॉमिस्ट ने कह दी बड़ी बात

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिकी मुद्रा डॉलर का दुनिया के कारोबार में दबदबा है। हालांकि, बीते कुछ दिनों में इसकी बादशाहत कायम रहने पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका पर बेशुमार कर्ज इसमें सबसे बड़ी वजह है। इसके अलावा, रूस और चीन भी अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाशने में जुटे हैं। यही कारण है कि ब्रिक्स समूह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आंखों की किरकिरी बना हुआ है। भारत भी इस समूह का हिस्सा है। लेकिन, वह साफ कर चुका है कि डी-डॉलराइजेशन की रूस और चीन की मुहिम से उसका लेनादेना नहीं है। क्या अमेरिकी डॉलर का वर्चस्व कम हो सकता है? हार्वर्ड की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व चीफ इकोनॉमिस्ट गीता गोपीनाथ ने इसका जवाब दिया है। गीता गोपीनाथ का मानना है कि अमेरिकी डॉलर की बादशाहत फिलहाल कम नहीं होगी। एक पॉडकास्ट में उन्होंने कहा कि डॉलर की ताकत और दुनियाभर में इसके असर को लेकर दिलचस्पी बनी हुई है। गोपीनाथ ने बताया कि डॉलर की ताकत सिर्फ अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार पर ही नहीं है। अलबत्ता, देश के मजबूत संस्थानों, वित्तीय बाजारों की गहराई और कानून व्यवस्था पर भी निर्भर करती है। उनका कहना है कि इन्हीं वजहों से डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आने वाले सालों में भी यह बना रहेगा। डॉलर के भविष्य को लेकर बहस कोई नई बात नहीं है। निवेशक लंबे समय से अमेरिका के बढ़ते कर्ज, ट्रेड टैरिफ और हाल ही में महामारी के वित्तीय असर को लेकर चिंतित हैं। लेकिन, गोपीनाथ ने कहा कि किसी करेंसी की अहमियत ट्रेड वॉल्यूम पर उतनी निर्भर नहीं करती, जितना लोग सोचते हैं। अमेरिकी डॉलर दुनिया की सबसे बड़ी रिजर्व करेंसी है। लेकिन, यह अकेली नहीं है। यूरो, पाउंड स्टर्लिंग, येन, स्विस फ्रैंक, ऑस्ट्रेलियाई और कनाडाई डॉलर और चीन की रेनमिनबी भी अहम भूमिका निभाते हैं। पहले ड्यूश मार्क की भी अहमियत थी। लेकिन, बाद में इसे यूरो में मिला दिया गया। आम लोगों के लिए मजबूत डॉलर का मतलब है कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं की करेंसी को डॉलर में मिलने वाले सामान खरीदने के लिए ज्यादा खर्च करना। उदाहरण के लिए अगर एक आईफोन की कीमत 1,000 डॉलर है तो डॉलर के बढ़ने का मतलब है कि भारतीयों को वही प्रोडक्ट खरीदने के लिए ज्यादा रुपये खर्च करने होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार कहा था कि इसका मतलब यह नहीं है कि रुपया 'कमजोर' हो रहा है, बल्कि यह है कि डॉलर 'मजबूत' हो रहा है। डॉलर की मजबूती के कुछ नुकसान भी हैं। महंगे पेट्रोल और इम्पोर्टेड इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर महंगाई तक, बढ़ते डॉलर का असर भारत जैसे विकासशील देशों के घरों और अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। यही वजह है कि दुनिया भर में फायदे होने के बावजूद डॉलर की बढ़ती कीमत अक्सर चिंता पैदा करती है।

अभी रूस और चीन को करना होगा इंतजार

गोपीनाथ ने कहा कि डॉलर की ताकत अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साइज, मजबूत संस्थानों, वित्तीय बाजारों की गहराई और कानून व्यवस्था पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि ये चीजें डॉलर के दबदबे को बनाए रखेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेड वॉल्यूम की तुलना में करेंसी की अहमियत कम होती है। अमेरिकी डॉलर दुनिया की सबसे बड़ी रिजर्व करेंसी है।

सब ठीक नहीं... भारत की जीडीपी ग्रोथ पर रघुराम राजन का हथौड़ा, नंबरों की चमक पर सवाल उठा दी ये चेतावनी

एजेंसी नई दिल्ली

भारत के बंपर जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों पर आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने सवाल उठा दिए हैं। दिग्गज अर्थशास्त्री ने कहा है कि भारत की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों पर बारीकी से ध्यान देने की जरूरत है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही यह ग्रोथ 7.8% रही है। पिछली पांच तिमाहियों में यह सबसे ज्यादा है। स्पार्क एक्स (SparX) के मुकेश बंसल के साथ बातचीत में राजन ने दो मुख्य चिंताएं बताईं। इनमें निजी निवेश में सुस्ती और कमजोर रोजगार सृजन शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जीडीपी के कैलकुलेशन के तरीके में कुछ कमियां हो सकती हैं जिससे विकास दर ज्यादा दिख रही हो। राजन ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को सीमित बताया। लेकिन, कुछ क्षेत्रों पर इसका असर पड़ने की चेतावनी दी। राजन ने कहा, 'जब भी कोई बड़ा नंबर आता है तो आप खुश होना चाहते हैं। खुश होना भी चाहिए। लेकिन, फिर आप उसे समझना चाहते हैं। यह इतना ज्यादा क्यों है?' उनका कहना है कि हमें यह देखना होगा कि यह ग्रोथ कैसे हुई है। रघुराम राजन ने समझाया कि मजबूत रियल जीडीपी का आंकड़ा आंशिक रूप से असामान्य रूप से कम महंगाई का सांख्यिकीय असर है। राजन ने कहा कि जीडपी का कैलकुलेशन करते समय हम देखते हैं कि रुपये में नॉमिनल जीडीपी की बढ़ोतरी कितनी है। फिर हम इसे महंगाई से भाग देते हैं ताकि रियल जीडीपी ग्रोथ मिल सके। इस बार नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ धीमी रही है। यह लगभग 8.8% है। लेकिन, महंगाई बहुत कम रही। इसके कारण रियल जीडीपी ग्रोथ ज्यादा दिख रही है। राजन ने कहा कि भारत के महंगाई के आंकड़े शायद पूरी तरह से सही नहीं हों। उन्होंने कहा, 'क्या हम अपनी महंगाई का कैलकुलेशन ठीक से कर रहे हैं? अर्थशास्त्रियों से बात करने पर पता चलता है कि महंगाई का कैलकुलेशन करने के तरीके में कुछ समस्याएं हैं। यह उस महंगाई को सही तरीके से नहीं दिखाता है जिसका हमें इस्तेमाल करना चाहिए। कभी-कभी इससे हमें मदद मिलती है, कभी-कभी नुकसान होता है। अभी हम एक ऐसे दौर में हैं जहां इससे हमें मदद मिल रही है। इसलिए हम थोड़े मजबूत दिख रहे हैं।' उनका मानना है कि महंगाई के आंकड़ों में सुधार की गुंजाइश है। आंकड़ों के अलावा, राजन ने कुछ गहरी चिंताओं की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर निवेश सरकार की ओर से आ रहा है, चाहे वह केंद्र सरकार हो या राज्य सरकारें। लेकिन, निजी क्षेत्र उतना निवेश नहीं कर रहा है। यह पिछले 10-12 सालों से चिंता का विषय रहा है। अगर हम इतनी तेजी से बढ़ रहे हैं तो निजी क्षेत्र निवेश क्यों नहीं कर रहा है? यह एक ऐसा सवाल है जिसने सभी अर्थशास्त्रियों को परेशान किया है।' उनका मानना है कि निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत है राजन ने आगे कहा कि ग्रामीण मांग अच्छी फसल के कारण बढ़ी है। लेकिन, शहरी खपत कमजोर है। राजन के अनुसार, 'यह अच्छी खबर है। इससे असमानता कुछ हद तक कम होती है। लेकिन, टिकाऊ खपत कैसे प्राप्त करें, यह सवाल अभी भी बना हुआ है। शायद हमें नौकरियों के बारे में ज्यादा आश्वस्त महसूस कराने की जरूरत है। शहरी घरों में ज्यादा अनिश्चितता दिख रही है। आपने खबरों में देखा होगा कि हमारी टेक कंपनियां नौकरियों में कटौती कर रही है। बड़ा मुद्दा यह है कि अर्थव्यवस्था उतने अच्छे रोजगार नहीं बना रही है जितने कि श्रम बल में आने वाले सभी युवाओं को रोजगार देने के लिए जरूरी हैं।' उनका मानना है कि रोजगार सृजन पर ध्यान देना जरूरी है। अमेरिकी टैरिफ का कुछ क्षेत्रों पर ही होगा असर अमेरिकी टैरिफ पर राजन ने कहा कि इसका प्रभाव सीमित होगा, लेकिन यह असमान होगा।

सोना और दौड़ेगा या लगेगा पावर ब्रेक, 17 सितंबर से कनेक्शन, आखिर ऐसा क्या होने वाला है

एजेंसी नई दिल्ली

सोने की चमक ने सबको चकाचौंध कर रखा है। इसने एक साल में ताबड़तोड़ तेजी दर्ज की है। इस दौरान यह करीब 53% तक चढ़ा है। दूसरे किसी भी एसेट क्लास में ऐसी बंपर तेजी देखने को नहीं मिली है। हालांकि, 17 सितंबर से पहले सोने की कीमतों में तेजी पर कुछ अंकुश लग सकता है। अगले हफ्ते बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व नीतिगत दरों पर फैसला लेने वाला है। हालांकि, जानकारों का मानना है कि आगे चलकर सोने की चमक बनी रहेगी। वे टैरिफ के असर, ब्रिटेन और यूरो क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं के आंकड़ों और बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान की बैठकों पर नजर रखेंगे। सोने की कीमतों में तेजी आई है। लेकिन, अब यह रफ्तार धीमी हो सकती है। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के प्रणव मेर का कहना है कि निवेशक अब सतर्क हो गए हैं। पिछले कुछ हफ्तों में सोने के दाम काफी बढ़ गए हैं। इसलिए, वे अब और ज्यादा पैसा लगाने से डर रहे हैं। मेर ने कहा कि पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन के युद्ध के कारण सोने के दाम बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सोने और चांदी के दाम बढ़ सकते हैं। लेकिन, निवेशकों को फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजों का इंतजार है। ऐसे में कीमतों में कुछ बदलाव हो सकता है। फेडरल रिजर्व की दो दिन की बैठक 16 सितंबर को शुरू होगी। नीतिगत फैसले की घोषणा 17 सितंबर को की जाएगी। एंजल वन के प्रथमेश माल्या ने कहा कि अमेरिका में भारतीय सामान पर 50% टैरिफ लगने और रूस-यूक्रेन के बीच लड़ाई बढ़ने से सोने के दाम में तेजी आना कोई हैरानी की बात नहीं है। भू-राजनीतिक तनाव पश्चिम एशिया और रूस-यूक्रेन में बढ़ते तनाव के कारण निवेशक सोने को एक सुरक्षित निवेश मानकर इसमें पैसा लगा रहे हैं।

व्यापार शुल्क (टैरिफ) अमेरिका में भारतीय सामान पर 50% टैरिफ लगने से भी सोने की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।

योग से घुटनों के दर्द में मिल सकती है राहत

आज की दौड़-भाग भरी जिंदगी में घुटनों का दर्द एक आम समस्या बन गई है। पहले यह परेशानी उम्रदराज लोगों तक सीमित थी, लेकिन अब युवाओं और मध्यम उम्र के लोगों में भी ये तेजी से बढ़ रही है। लंबे समय तक बैठकर काम करना, चलने-फिरने की कमी, बढ़ता हुआ वजन और सही खानपान न होना इसकी बड़ी वजहों में से एक हैं। घुटनों में दर्द होने पर लोग अक्सर दवाएं लेने लगते हैं, लेकिन ये कुछ वक्त के लिए आराम देती है और फिर से दर्द शुरू होने लगता है। अगर घुटनों में फिर से मजबूती चाहिए, तो योग इसका बेहद सरल और कारगर तरीका है। आयुष मंत्रालय के मुताबिक, योग में ऐसे कई आसन हैं जो घुटनों के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं और उनमें लचीलापन लाते हैं। यह तरीका दवाओं से कहीं अधिक स्थायी राहत दे सकता है।

वृक्षासनः वृक्षासन शरीर के संतुलन को बेहतर करता है और पैरों की मांसपेशियों को मजबूती देता है। इस आसन को करने के लिए आप सीधे खड़े रहें। फिर एक पैर को मोड़कर दूसरे पैर की जांघ पर रखें। इसके बाद दोनों हाथों को सिर के ऊपर जोड़कर नमस्कार की मुद्रा बनाएं। जब आप इस मुद्रा में खड़े होते हैं, तो आपका पूरा वजन एक पैर पर होता है, जिससे घुटनों के आसपास की मांसपेशियों पर काम होता है। यह अभ्यास धीरे-धीरे घुटनों को सहारा देने वाले हिस्से को मजबूत करता है और संतुलन भी सुधारता है।

सेतुबंधासनः सेतुबंधासन पीठ के बल लेटकर किया जाता है। इस आसन में आप अपने घुटनों को मोड़कर पैरों को जमीन पर रखते हैं और फिर धीरे-धीरे कूल्हों और कमर को ऊपर उठाते हैं। यह आसन जांघों, पिंडलियों और पीठ की मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिससे घुटनों पर सीधा दबाव कम होता है। इसके नियमित अभ्यास से घुटनों के आसपास के हिस्सों में खिंचाव कम होता है और लचीलापन बढ़ता है।

वीरासनः वीरासन करने के लिए आप अपने घुटनों को मोड़कर एड़ियों के बीच बैठते हैं। यदि यह थोड़ा मुश्किल लगे तो आप बैठने के लिए कोई तकिया या योगा ब्लॉक भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह मुद्रा जांघों में खिंचाव लाती है और धीरे-धीरे घुटनों को झुकाने की आदत डालती है, जिससे वे ज्यादा लचीले बनते हैं। यह आसन खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो बहुत देर तक खड़े रहते हैं या जिनके पैरों में अक्सर थकावट बनी रहती है।

बालासनः बालासन बेहद आरामदायक आसन है। इसे करने के लिए आप घुटनों के बल बैठते हैं और फिर झुककर अपनी छाती को जांघों पर टिकाते हैं और माथा जमीन से लगा लेते हैं। यह मुद्रा घुटनों को बिना ज्यादा जोर दिए धीरे-धीरे फैलाती है। अगर किसी बुजुर्ग को ज्यादा झुकने में दिक्कत हो तो वे अपने सिर के नीचे तकिया रख सकते हैं। यह आसन शरीर को रिलैक्स करता है और घुटनों के आसपास के हिस्से में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है, जिससे सूजन और दर्द में राहत मिलती है।

पूजा में मिले ये 7 दिव्य संकेत! समझ लें भगवान की कृपा से पूरी होंगी सारी मनोकामनाएं

सनातन धर्म में भगवान की पूजा करते समय देवी-देवाताएं जरुर संकेत देते हैं। अक्सर होता कि साधक भगवान की खूब पूजा-अर्चना कर रहा है लेकिन उसको लगता है मेरी मानोकामना पूर्ण नहीं हो रही है। लेकिन ऐशा बिल्कुल भी नहीं ईश्वर अपने भक्तों को संकेत जरुर देते हैं, जिन्हें हमे समझना काफी जरुरी है। कई बार पूजा करते वक्त भगवान जी साधक को ये शुभ संकेत जरुर देते हैं। जिनको हम ध्यान नहीं देते हैं। हिंदू धर्म में पूजा करते समय कुछ संकेत देवाओं की कृपा और इच्छा पूर्ति का संदेश देते हैं। आइए आपको 7 शुभ संकेत के बारे बताते हैं।

दीपक की लौ

जब हम पूजा करते हैं तो दीपक को जरुर जलाते हैं। दीपक की लौ अगर स्थिर और तेज रहती है, तो यह दर्शाता है कि सकारात्मक ऊर्जा और देव कृपा का संकेत। आपकी जो भी इच्छा सारी जल्द पूरी होंगी।

घंटी की मधुर ध्वनि

आरती के दौरान घंटी जरुर बजाई जाती है। पूजा के दौरान घंटी की मधुर और लंबी आवाज सुनाई देना काफी शुभ माना जाता है। माना जाता है कि यह देवताओं की उपस्थिति और उनकी प्रसन्नता दर्शाता है।

फूलों का गिरना नहीं

जब आप पूजा करते हैं, तो मूर्ति पर फूल जरुर अर्पित करते हैं। अगर मूर्ति पर चढ़ाएं हुए फूल ना गिरें, तो माना जाता है कि यह भगवान की स्वीकृति और सुख-समृद्धि का संकेत है।

प्रसाद की मिठास

पूजा के दौरान प्रसाद अगर आपको असामान्य रूप से स्वादिष्ट लगे, तो इससे भगवान की प्रसन्नता और आशीर्वाद का संकते है।

शंख की ध्वनि का गूंजना

पूजा करते समय शंख की गूंजती ध्वनि नकारात्मकता को दूर करती हैं और यह शुभता का संदेश भी देता है। शंख की ध्वनि का संकेत इच्छा पूर्ति का माना जाता है।

पक्षियों का आना

जब आप पूजा करते हैं, तो उस समय पक्षियों का पास आना या चहचहाना शुभ माना जाता है। यह पितरों और देवताओं की कृपा प्रतीक माना जाता है। अगर जब भी आस-पास आपको पक्षी दिखें तो समझ जाएं कि आप पर भगवान की कृपा है।

मन की शांति

कई बार पूजा करते समय मन शांत और प्रसन्न रहता है और यह दर्शाता है कि देवता आपकी प्रार्थना सुन रहे हैं और आपकी सारी इच्छाएं पूर्ण होंगी।

त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पितरों की शांति के लिए विशेष पूजा का आध्यात्मिक महत्व

पितृ पक्ष का समय हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक महत्व का होता है। लोग अपने पितरों का तर्पण करते हैं, उनकी आत्मा की शांति और मोक्ष के लिए विविध धार्मिक अनुष्ठान भी कराते हैं। इन्हीं अनुष्ठानों में एक अत्यंत प्रभावशाली और शास्त्रसम्मत पूजा है 'नारायण नागबली', जो विशेष रूप से महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में संपन्न होती है। जैसे ही पितृपक्ष का आरंभ 8 सितंबर को हुआ, वैसे ही त्र्यंबकेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। हर उम्र, हर वर्ग और हर कोने से लोग अपने पितरों के उद्धार की कामना लेकर इस धार्मिक स्थल की ओर रुख कर रहे हैं। त्र्यंबकेश्वर के पुरोहित संघ के अध्यक्ष मनोज विनायक थेटे ने बात करते हुए बताया कि पितृ पक्ष के इन पुण्य दिनों में देशभर के श्रद्धालु, विशेषकर महाराष्ट्र के कोने-कोने से, यहां पर आ रहे हैं। सभी लोग अपने पितरों की आत्मा को शांति और सद्गति प्राप्त होने की कामना लेकर आते हैं। उन्होंने बताया कि नारायण नागबली पूजा त्र्यंबकेश्वर में करने से ही उसका पूर्ण फल मिलता है। यही कारण है कि यह पूजा न तो किसी अन्य आश्रम में की जाती है, न मठों में, और न ही किसी सामान्य मंदिर में। त्र्यंबकेश्वर की भूमि को ही इस पूजा के लिए शास्त्रों में प्रमाणित और सिद्ध स्थान माना गया है। उन्होंने आगे बताया कि त्र्यंबकेश्वर धार्मिक मान्यता और ऐतिहासिक परंपरा से भी जुड़ा हुआ है। त्र्यंबकेश्वर में गोदावरी और अहिल्या नदियों का संगम, जिसे शटकुल कहा जाता है, विशेष महत्व रखता है। धर्मशास्त्रों और शंकराचार्य परंपरा के अनुसार, पितरों की सद्गति और पितृदोष निवारण के लिए यही स्थान सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इसी कारण नारायण नागबली जैसी विशेष पूजा केवल यहीं होती है। पितृपक्ष के चलते इस समय त्र्यंबकेश्वर एक धार्मिक और आध्यात्मिक तीर्थ क्षेत्र के रूप में जीवंत हो उठा है।

आर्थिक राशिफल : वेशी योग में मेष, कर्क समेत 5 राशियां बनेंगी मालामाल, महादेव चमकाएंगे किस्मत

मेष राशि नौकरी और व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और समय आपके लिए अनुकूल रहेगा। बिजनेस में कोई खास डील फाइनल हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और भौतिक सुखों में भी वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में आपको लाभ कमाने के मौके मिलेंगे और निवेशों से भी मुनाफा होगा। परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृषभ राशि व्यवसाय के क्षेत्र में आप नई योजनाएं बना सकते हैं और कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। अगर किसी कानूनी मामले में फंसे थे तो अब आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। स्थान परिवर्तन की योजना भी सफल रहेगी और आपको पराक्रम में वृद्धि होगी। नौकरी करने वालों के लिए कार्यस्थल का वातावरण अनुकूल बना रहेगा और आपको साथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि कार्यक्षेत्र में आप रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रुचि दिखा सकते हैं और इन्हीं से जुड़े कामों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आपको वही काम करने को मिलेगा, जिसे करने में आपको ज्यादा अच्छा महसूस होता है। इससे मूड बेहतर होगा और तनाव भी कम होगा। व्यापार के मामले में आपके दिमाग में नई योजनाएं आ सकती हैं और किसी उच्च अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा।

कर्क राशि दिन अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप जो भी काम पूरी मेहनत और लगने के साथ करेंगे उसमें सफलता जरूर प्राप्त होगी। अधूरे काम समय पर पूरे होंगे और कामकाज को लेकर महत्वपूर्ण चर्चाएं हो सकती हैं। नौकरी करने वालों को ऑफिस में अपेक्षित माहौल देखने को मिलेगा। सहकर्मियों का भी पूरा सहयोग मिलेगा और परिवार में जीवनसाथी के साथ समय बिताएंगे।

सिंह राशिकामकाज के सिलसिले में आप पूरा समय व्यस्त रह सकते हैं। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपके वरिष्ठ अधिकारी या विरोधी जरूरी कामों में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में आपको धैर्य रखना होगा और सतर्कता के साथ कोई भी काम करना होगा। नौकरी करने वालों का दिन मिलाजुला रहेगा और सोच-समझकर निवेश करने से लाभ प्राप्त हो सकता है।

कन्या राशि कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी बात सोच-समझकर बोलनी होगी, अन्यथा आपकी बातों का गलत अर्थ निकाला जा सकता है। आसपास के लोगों से बहस या विवाद में पड़ने से बचें। इससे परेशानी खड़ी हो सकती है। भाग्य पर भरोसा रखकर आत्मविश्वास के साथ अपने प्रोजेक्ट में लगे रहना लाभकारी सिद्ध होगा। इससे समय के साथ स्थिति बेहतर होती जाएगी और तनाव भी कम होगा।

तुला राशि आर्थिक मामलों में दिन लाभकारक सिद्ध होगा और आपके धन में वृद्धि होगी। अगर कार्यक्षेत्र में कोई विवाद या समस्या चल रही थी तो अब वह दूर हो जाएगी। जिससे आपका तनाव कम होगा। व्यापार के मामले में नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो सकता है और निवेशों से भी लाभ मिलने की उम्मीद है। लेकिन जमीन से जुड़े कार्यों में आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि दिन बेहतरीन रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में आपको दिनभर लाभ कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। लेकिन इसके लिए प्रयास करते रहना जरूरी होगा। नौकरी करने वालों को कुछ बदलावों से लाभ मिलने की उम्मीद है। वहीं, व्यापार के मामले में भी कुछ नया करने से आपको भविष्य में मुनाफा मिल सकता है। जिससे कारोबार का विस्तार होगा और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

धनु राशि कार्यक्षेत्र में आपको कुछ मामलों में सावधान और सतर्क रहना जरूरी होगा, अन्यथा किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, बिजनेस के मामले में अगर आप थोड़ा सा जोखिम उठा लें, तो इससे बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यापार में नए काम को शुरू कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में आपको इस समय कुछ पैसों की आवश्यकता पड़ सकता है।

मकर राशि कामकाज के मामले में दिन सामान्य रहने वाला है। वहीं, व्यापार में साझेदारी में किए गए किसी कार्य से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले लेने जरूरी होंगे। जल्दबाजी से काम खराब हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अनुशासन और नियमों का ध्यान रखने से स्थिति सामान्य बनी रहेगी। लेकिन कई काम एक साथ हाथ में आने से थोड़ी उलझन हो सकती है।

कुंभ राशि मौसम परिवर्तन का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। ऐसे में कामकाज में आपका थोड़ा कम मन लग सकता है और सुस्ती महसूस होगी। हालांकि, व्यापारियों को कम प्रयास से अधिक लाभ मिलने की संभावना है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन जल्दबाजी में कोई भी काम न करें, अन्यथा हानि हो सकता है। ऐसे में सोच-समझकर फैसले लेना जरूरी रहेगा।

मीन राशि आपके लिए यह दिन लाभकारक सिद्ध हो सकता है। व्यापार में थोड़ा सा जोखिम उठाने से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में समस्याओं और बाधाओं को आप अपनी बुद्धिमानी से दूर कर देंगे। साथ ही, प्रोजेक्ट में सफलता हासिल करेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में भी सफलता मिलने की योग हैं, जिससे आपकी सारी टेंशन दूर हो सकती है। परिवार का माहौल सुखद रहेगा।

मातृ नवमी श्राद्ध इन उपायों से करें दिवंगत मां को प्रसन्न, जीवन से दूर होगी परेशानियां

पितृपक्ष की शुरुआत भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन महीने की अमावस्या तक होती है और यह 15 दिनों का होता है। हिंदू धर्म में पितृपक्ष को विशेष महत्व माना जाता है। इस दौरान लोग अपने पितरों यानी के पूर्वजों, मृतक पिता-माता, दादा-दादी की आत्मा शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि मृत माताओं को समर्पित होता है। इस दिन मृत माताओं का श्राद्ध, तर्पण और पिडदान भी किया जाता है। इनकी कृपा से व्यक्ति को जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है और मृत माताओं की कृपा बरसती है। कल यानी के 15 सितंबर को मातृ नवमी श्राद्ध है। आइए आपको बताते हैं मातृ नवमी श्राद्ध के उपाय बताते हैं। पंचांग के अनुसार, आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि पर कुतुप मूहूर्त सुबह 11 बजकर 51 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 41 मिनट तक है। वहीं, रौहिण मूहूर्त दोपहर 12 बजकर 41 मिनट से लेकर 01 बजकर 30 मिनट तक है। बल्कि अपराह्न काल में दोपहर 01 बजकर 30 मिनट से लेकर 03 बजकर 58 मिनट तक है।

मातृ नवमी के उपाय

- मृत माताओं की कृपा प्राप्त करने के लिए तुलसी माता की पूजा करें। इसके साथ ही आप तुलसी माता को जल अर्पित करें। इसके साथ ही शाम मां तुलसी की आरती करें। तुलसी माता के समक्ष दीपक जलाएं।
- इस दिन पीपल पेड़ की पूजा जरुर करें। पीपल के पेड़ के नीचे दीपक को जला सकते हैं। काले तिल मिश्रित जल से पीपल को अर्घ्य दे सकते हैं। ऐसा करने मृत माताएं प्रसन्न हो जाती हैं।
- मातृ नवमी के दिन जरुरतमंद महिलाओं को सुहाग का सामान दान करें।
- इस दिन मृत माताओं को प्रसन्न करने के लिए जरुरतमंदों को भोजन कराएं। आपके अपने हिसाब से अन्नदान कर सकती हैं।

जिला अस्पताल में क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण

कलेक्टर ने मरीजों से जाना हाल, टाइल्स और पैविंग ब्लॉक में सुधार के निर्देश

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने रविवार को जिला अस्पताल की निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कई वार्डों में जाकर मरीजों से हालचाल भी जाना और अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण में पार्किंग, सफाई और पास व्यवस्था को लेकर संतोष जताया गया। उन्होंने TB केयर यूनिट की खाली हुई जमीन पर परिजनों के बैठने के लिए शेड बनाने के निर्देश दिए गए। इसके लिए खनिज मद से राशि उपलब्ध कराने को कहा है। कलेक्टर ने इस दौरान निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर ब्लॉक का बारीकी से निरीक्षण किया।यहां उन्होंने कुछ स्थानों की टाइल्स दोबारा लगाने और कुछ स्थानों पर पैविंग ब्लाक हटने को कहा। इसके अलावा ट्रामा सेंटर के बाजू मेंपानी की टंकी के पास पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पंजीयन काउंटर को बाहर स्थानांतरित करने को कहा और इसके लिए राशि खनिज मद से उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर के साथ सीएमएचओ डॉ. मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे, आरएमओ डॉ. रानू वर्मा और सीएमओ सतीश मटसेनिया मौजूद थे।

गायत्री मंदिर में पितृपक्ष पर महिलाएं भी कर रही तर्पण-पिंडदान मुलताई में ट्रस्टी बोले-पारंपरिक मान्यताओं के साथ महिलाओं को समान अधिकार देने की सकारात्मक पहल

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई के गायत्री मंदिर में पितृपक्ष पर एक खास पहल की जा रही है। यहां हर दिन सामूहिक तर्पण और पिंडदान किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान में पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी अपने दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण कर रही हैं। गायत्री परिवार के परिव्राजक योगेश साहू और पुरुषोत्तम साहू ने बताया कि वेदमूर्ति पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने महिलाओं को तर्पण और पिंडदान का अधिकार दिया था। उनका मानना है कि श्राद्ध पक्ष में पवित्र स्थानों पर किए गए तर्पण से पितरों को मुक्ति मिलती है। मंदिर में यह कार्यक्रम दो समय में होता है। पहली पाली सुबह 8 से 9 बजे और दूसरी पाली 9 से 10 बजे तक चलती है। सैकड़ों श्रद्धालु रोजाना यहां आकर निशुल्क तर्पण करवा रहे हैं। गायत्री परिवार ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी यादोराव निंबालकर, रामदास देशमुख ने बताया कि कोई भी व्यक्ति इस निशुल्क आयोजन में हिस्सा ले सकता है। उन्हें केवल निर्धारित समय पर मंदिर पहुंचना होगा। इस पहल से समाज में सकारात्मक संदेश जा रहा है। पारंपरिक मान्यताओं के साथ महिलाओं को समान अधिकार मिलने से लोगों में उत्साह का माहौल है। पंडित मोनू मिश्रा ने बताया कि गरुड़ पुराण के अनुसार, श्राद्ध कर्म में महिलाओं को लेकर कोई प्रावधान नहीं बताया गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार, यदि घर में कोई पुरुष न हो, तो आपके वंश का कोई दूर का पुरुष रिश्तेदार या कोई ब्राह्मण श्राद्ध और तर्पण कर सकता है। घर की महिलाएं ब्राह्मणों को भोजन कराने का कार्य कर सकती हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार, बड़ा बेटा या छोटे बेटे के अभाव में बहू, पत्नी को श्राद्ध करने का अधिकार है। इसमें सबसे बड़ी बेटी या एकमात्र पुत्री भी शामिल है। अगर घर में कोई बुजुर्ग महिला है तो युवा महिला से पहले श्राद्ध से जुड़े काम करने का अधिकार उसका होगा।

बैतूल की मांडू नदी में बहा 17 साल का किशोर तीन दोस्तों के साथ सालबर्डी घूमने आया था एमपी-महाराष्ट्र की रेस्क्यू टीम तलाश में जुटी

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

एमपी-महाराष्ट्र सीमा पर बहने वाली मांडू नदी में रविवार को महाराष्ट्र का एक किशोर बह गया। किशोर की पहचान कुणाल बागड़े (17) के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के मोरछी गांव का रहने वाला था। वह अपने दो दोस्तों के साथ बैतूल के सालबर्डी घूमने आया था, जहां नहाते समय उसका पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में बह गया। मांडू नदी में इन दिनों तेज बहाव और बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी परेशानी आ रही है। माना जा रहा है कि किशोर नदी के तेज बहाव में काफी दूर तक बह गया होगा। बैतूल के आठनेर थाना पुलिस और एसडीआरएफ टीम, साथ ही महाराष्ट्र के अमरावती से पहुंची रेस्क्यू टीम मिलकर कुणाल की तलाश में जुटी हैं। लेकिन सुबह से जारी सर्च ऑपरेशन के बावजूद अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। कुणाल के साथ आए दोस्तों ने सबसे पहले महाराष्ट्र के मोरछी थाने और फिर रात को बैतूल के आठनेर थाना पहुंचकर जानकारी दी। इस पर एसडीआरएफ को तुरंत मौके पर भेजा गया। आठनेर थाने के एएसआई राज पहाड़े ने बताया कि मौके पर एएसआई संतोष चौधरी के नेतृत्व में टीम भेजी गई है। लेकिन क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने के कारण रेस्क्यू टीम से संपर्क भी मुश्किल हो रहा है। कुणाल कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था और अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। पिता किशोर बागड़े पेंटर का काम करते हैं और मां मजदूरी करती हैं। उसकी एक छोटी बहन भी है। परिजनों ने बताया कि वह उम्र में बड़े बच्चों के साथ घूमने गया था। महाराष्ट्र के पीएसआई राहुल आठवले ने बताया कि किशोर की गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही दर्ज की जा चुकी है। नदी के बहाव को देखते हुए सावधानीपूर्वक तलाश की जा रही है। दोनों राज्यों की टीमें संयुक्त प्रयासों से रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी सहायता राशि बैतूल की अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने गुरुद्वारा कमेटी को दिए 1 लाख 1 हजार रुपए

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

पंजाब इस समय भीषण बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहा है। राज्य के सभी 23 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं, जहां लोगों के घर और खेत तबाह हो चुके हैं। इस कठिन समय में देशभर से मदद का हाथ बढ़ रहा है। बैतूल की अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने भी इंसानियत और भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए बाढ़ पीड़ितों के लिए 1,01,500 की आर्थिक सहायता दी है। इस मदद का फैसला एक विशेष बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता जामा मस्जिद के इमाम जावेद चिश्ती ने की। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों की मदद करना नेक और पुण्य का काम है। बैठक में कमेटी अध्यक्ष वसीम कुरैशी ने कहा कि संकट की इस घड़ी में सिख समुदाय के भाई-बहनों की मदद करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। बैठक के बाद अंजुमन इस्लामिया कमेटी के प्रतिनिधि बैतूल के गुरुद्वारा पहुंचे और वहां बाढ़ पीड़ितों की सहायता राशि 1,01,500 नगद सौंप दी। यह धनराशि गुरुद्वारा कमेटी के माध्यम से पंजाब भेजी जाएगी ताकि जरूरतमंदों तक राहत पहुंच सके। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी के अध्यक्ष वसीम कुरैशी के साथ-साथ सदर मस्जिद के इमाम, रहमान भाई, शाकीर पटेल, अल्ताफ सिद्दीकी, बबलू पटेल, तौसीफ बेग, मज्जू सेठ, सैयद अय्यूब अली, और कई वरिष्ठजन मौजूद रहे। गुरुद्वारा कमेटी की ओर से मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों का सम्मान भी किया गया।

बैतूल की दुर्गा भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल पहला महिला टी-20 ब्लाइंड वर्ल्ड कप खेलेंगीं लोग बोले- हिम्मत के आगे सब कमियां नतमस्तक

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिले की भैंसदेही तहसील के छोटे से गांव राक्सी के गौलीढाना की दृष्टिहीन बेटी दुर्गा येवले (यादव) अब विश्व पटल पर देश का नाम रोशन करने जा रही हैं। उनका चयन भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम में हुआ है। वह 11 से 25 नवंबर तक भारत में होने जा रहे पहले महिला टी-20 ब्लाइंड वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। 2003 में जन्मीं दुर्गा ने अपनी प्राथमिक शिक्षा गांव के ही सरकारी स्कूल से शुरू की। शिक्षक नत्थू वडुकले और पिता झब्बू येवले के मार्गदर्शन से वे बैतूल छात्रावास और फिर पाढर ब्लाइंड स्कूल पहुंचीं। इसके बाद इंदौर के महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ छात्रावास में पढ़ाई के साथ क्रिकेट की राह खुली। नवंबर 2022 में यहां हुए ब्लाइंड क्रिकेट कैंप में क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष सोनू गोलकर ने उनकी प्रतिभा पहचानी और जिला स्तरीय टीम में मौका दिया। इंदौर के लिए खेले मैचों से प्रदेश टीम में चयन हुआ। 2023 में बेंगलुरु, 2024 में हुबली और 2025 में केरल में राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय टीम तक पहुंचाया। भारत की 16 सदस्यीय टीम में कर्नाटक की दीपिका टीसी कप्तान और महाराष्ट्र की गंगा एस कदम उपकप्तान होंगी। मध्यप्रदेश से दुर्गा के साथ सुषमा पटेल और सुनीता सराठे भी शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नेपाल, श्रीलंका और अमेरिका की टीमें खेलेंगी। कुल 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल होंगे। पाकिस्तान के मैच पहले काठमांडू में प्रस्तावित थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से उनका नया स्थल जल्द घोषित किया जाएगा। भारत पिछली बार 2023 के IBSA वर्ल्ड गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुका है और इस बार भी मेजबान होने के नाते मजबूत दावेदार है। दुर्गा का चयन न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। गांव वालों ने कहादुर्गा ने साबित किया कि हिम्मत और मेहनत से कोई भी कमी इंसान को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि हिम्मत के आगे सारी कमियां नतमस्तक हो जाती हैं। दुर्गा इस बात का उदाहरण बन गई हैं। इस दृष्टिहीन बेटी के संघर्ष और जुनून की कहानी अब विश्व कप के मंच पर भारत का तिरंगा फहराने को तैयार है। इस दृष्टिहीन बेटी के संघर्ष और जुनून की कहानी अब विश्व कप के मंच पर भारत का तिरंगा फहराने को तैयार है। दुर्गा के मुताबिक उसे 50 फीसदी ब्लाइंडनेस है। इसके चलते वह बी 3 केटेगरी में खेलती है। इसकी शुरुआत इंदौर कैम्प से हुई थी। वह दो बहनों और एक भाई में छोटी है। पिता खेती करते हैं। आगे भी उसे क्रिकेट में ही भविष्य बनाना है। यह टूर्नामिंट 11 से 25 नवंबर 2025 तक भारत में होगा। सात देशों भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, नेपाल, श्रीलंका और अमेरिका की टीमें 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल खेलेंगी। पहले पाकिस्तान के मैच काठमांडू (नेपाल) में कराने की योजना थी, लेकिन वहां हिंसक प्रदर्शनों के चलते भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ (CABI) ने वेन्यू बदलने का फैसला लिया है।

गारंटी परेड में ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तोड़ रही दम

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का निर्माण कार्य इतना घटिया है कि 5 वर्ष का समय पूर्ण होने से पहले ही यह सड़क दम तोड़ने लग गई है। ग्राम पंचायत सलैया के बस स्टॉप से लेकर छुरी गांव तक सड़क का निर्माण कार्य किया गया एक तरफ से सड़क बनाई गई और दूसरे तरफ से सड़क उखड़ते जा रही है।बताया जाता है कि यह सड़क का निर्माण कार्य हुए अभी 2 वर्ष का समय पूर्ण नहीं हुआ है। उसके पहले ही सलैया से छुरी के बीच में कई स्थानों पर सड़क उखड़ गई है जबकि पुलिया का निर्माण कार्य अभी पूर्ण रूप से नहीं हो पाया है।ऐसी स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बैतूल महाप्रबंधक को भारतीय जनता पार्टी बगडोना मंडल अध्यक्ष दीपक पटेल सिनोटिया के माध्यम से पत्र लिखकर सड़क की व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की गई है। भाजपा के बगडोना मंडल अध्यक्ष दीपक पटेल सिनोटिया ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के माध्यम से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सालैया से छुरी तक इस सड़क का निर्माण करवाया गया था इसकी गारंटी 5 वर्ष की है जबकि इस सड़क का निर्माण कार्य शुक्ला कंपनी के माध्यम से किया जा रहा है इस कंपनी के माध्यम से निर्माण की गई डामर और सीसी सड़क की गुणवत्ता कितनी खराब है कि 18 महीने में ही यह सड़क ने कई स्थानों से दम तोड़ दिया है उन्होंने बताया की स्थिति कुछ इस तरह की निर्मित हो गई है कि गांव का खरेटा लाकर मुख्य मार्ग पर झाड़ू लगाकर गिट्टी रेता एकत्रित करने का काम किया जा सकता हैं। गुणवत्ता इतनी खराब की अभी ग्राम पंचायत सलैया से लेकर छुरी तक सड़क और पुलिया का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है उसके पहले ही इस प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के माध्यम से निर्माण किए गए इस सड़क में जगह-जगह से दम तोड़ना शुरू कर दिया है जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्र से आवागमन करने वाले लोगों के माध्यम से आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे से सड़क मरम्मत एवं दोबारा सड़क निर्माण करने की मांग की जाने लगी अब देखना है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बैतूल जिला महाप्रबंधक के माध्यम से इस निर्माण कार्य का निरीक्षण कर घटिया निर्माण किए गए सड़क को दोबारा निर्माण किए जाने के आदेश दिए जाते हैं या नहीं श्री पटेल ने बताया कि ठेकेदार के माध्यम से गुणवत्ता हीन एवं घटिया निर्माण कार्य किए जाने की वजह से भाजपा की सरकार के जनप्रतिनिधियों को ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ता है।

भाजपा के पूर्व पार्षद ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर केंद्रीय सूक्ष्म ऋण योजना शुरू करने की मांग

शहरी क्षेत्र में दस बीस और 50 हजार के लोन योजना है बंद

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

भारतीय जनता पार्टी के लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 24 के पूर्व पार्षद रमेश पवार के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री,आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे को पत्र लिखकर नगर पालिका परिषद सारनी शहर में पीएम स्वनिधि आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के माध्यम से केंद्रीय सूक्ष्म ऋण योजना शुरू की गई थी जिसका लाभ शहरी क्षेत्र के पथ पर व्यापार करने वाले व्यापारियों को नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में यह योजना फिर शुरू करने की मांग भाजपा के पूर्व पार्षद रमेश पवार के माध्यम से की गई उन्होंने बताया कि 1 जून 2020 को शुरू की गई एक केंद्रीय सूक्ष्म ऋण योजना है जिसका उद्देश्य रेहड़ी-पटरी वालों को सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत 10 हजार का कार्यशील पूंजी-मुक्त ऋण दिया जाता है, जिसके बाद 20 हजार और 50 हजार के ऋण सात प्रतिशत ब्याज सब्सिडी के साथ दिए जाते हैं। यह योजना कुछ समय तक नगर पालिका परिषद सारनी के छोटे व्यापारियों को इसका लाभ मिला लेकिन वर्तमान समय में यह योजना इस क्षेत्र में बंद होने के कारण साप्ताहिक बाजार और फुटपाथ पर व्यापार करने वाले व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ऐसी स्थिति में उन्होंने आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक से मांग की है कि उनके द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की जाए की केंद्रीय सूक्ष्म ऋण योजना सारनी नगर पालिका में शुरू किया जाए जिससे फुटपाथ पर व्यापार करने वाले व्यापारियों को राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में दशहरा दीपावली सनातनियों के बड़े त्यौहार आने बाकी है छोटे व्यापारियों को यह छोट लोन राहत प्रदान करेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949